

**Test Date : 09 Jul 2022**

**Test Slot : Slot 1**

**Subject : Dogri**

**Sl. No.1**

**QBID:1501001**

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

What will be the number of females above poverty line in the state 'D', if it is known that the population of the state 'D' is 8 million?

- (1) 3 million
- (2) 2.83 million
- (3) 2.63 million
- (4) 2.43 million

राज्य - 'D' में गरीबी-रेखा से ऊपर महिलाओं की संख्या क्या होगी, यदि यह ज्ञात है कि राज्य 'D' की जनसंख्या 8 मिलियन है?

- (1) 3 मिलियन
- (2) 2.83 मिलियन
- (3) 2.63 मिलियन
- (4) 2.43 मिलियन

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिएः

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the male population above poverty line for state 'C' is 1.9 million, then what is the total population of state 'C'?

- (1) 6.25 million
- (2) 5.35 million
- (3) 4.85 million
- (4) 4.5 million

यदि राज्य - 'सी' की गरीबी-रेखा से ऊपर पुरुषों की जनसंख्या 1.9 मिलियन है तो राज्य - 'सी' की कुल जनसंख्या कितनी है?

- (1) 6.25 मिलियन
- (2) 5.35 मिलियन
- (3) 4.85 मिलियन
- (4) 4.5 मिलियन

1[Option ID=10005]  
2[Option ID=10006]  
3[Option ID=10007]  
4[Option ID=10008]

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

What will be the male population above poverty line for state 'A' if the female population below poverty line for state 'A' is 2.1 million?

- (1) 2.3 million
- (2) 3.3 million
- (3) 4.4 million
- (4) 6.6 million

राज्य - 'A' की गरीबी-रेखा से ऊपर पुरुषों की जनसंख्या क्या होगी, यदि राज्य 'A' की गरीबी-रेखा से नीचे महिलाओं की जनसंख्या 2.1 मिलियन है?

- (1) 2.3 मिलियन
- (2) 3.3 मिलियन
- (3) 4.4 मिलियन
- (4) 6.6 मिलियन

1[Option ID=10009]  
2[Option ID=10010]  
3[Option ID=10011]  
4[Option ID=10012]

Sl. No.4  
QBID:1501004

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the population of males below poverty line for state 'B' is 2.4 million and that for state 'E' is 6 million, the total population of states 'B' and 'E' is in the ratio of \_\_\_\_\_.

- (1) 2 : 5
- (2) 2 : 7
- (3) 3 : 7
- (4) 4 : 9

यदि राज्य - B की गरीबी-रेखा से नीचे पुरुषों की जनसंख्या 2.4 मिलियन और राज्य - 'E' की 6 मिलियन है तो राज्य 'B' और 'E' की कुल जनसंख्या किस अनुपात में होगी?

- (1) 2 : 5
- (2) 2 : 7
- (3) 3 : 7
- (4) 4 : 9

1[Option ID=10013]  
2[Option ID=10014]  
3[Option ID=10015]  
4[Option ID=10016]

Sl. No.5  
QBID:1501005

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the total population of state 'C' and state 'D' is 5 million and 7 million, respectively, then what is the difference in the population below poverty line in these two states?

- (1) 0.30 million
- (2) 0.23 million
- (3) 0.13 million
- (4) 0.11 million

यदि राज्य - 'C' और राज्य - 'D' की कुल जनसंख्या क्रमशः 5 मिलियन और 7 मिलियन है, तो इन दोनों राज्यों में गरीबी-रेखा से नीचे की जनसंख्या में अंतर क्या है?

- (1) 0.30 मिलियन
- (2) 0.23 मिलियन
- (3) 0.13 मिलियन
- (4) 0.11 मिलियन

1[Option ID=10017]

2[Option ID=10018]

3[Option ID=10019]

4[Option ID=10020]

Sl. No.6

QBID:1501006

Which of the following are correct regarding the process of learning?

- (A) Remembering the information and reproducing it in examination.
- (B) Synthesis and organisation of the old and new experiences resulting in a novel pattern
- (C) Carrying out activities which leave permanent effect on the learner.
- (D) Learning means acquisition, retention and modification of experience.
- (E) Preparing only for scoring good marks.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (B) and (C) only
- (2) (B), (C) and (D) only
- (3) (C), (D) and (E) only
- (4) (B), (C), (D) and (E) only

अधिगम की प्रक्रिया के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से सही हैं?

- (A) सूचना को याद करना और उसे परीक्षा में पुनःप्रस्तुत करना
- (B) पुराने और नये अनुभवों के संश्लेषण और संगठन के परिणाम स्वरूप अभिनव पैटर्न
- (C) अधिगमकर्ता पर स्थायी प्रभाव छोड़ने वाले कार्य कलापों को आगे बढ़ाना
- (D) अधिगम का आशय अनुभव का अधिग्रहण, प्रतिधारण और परिष्करण है
- (E) केवल अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयारी करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (B) और (C)
- (2) केवल (B), (C) और (D)
- (3) केवल (C), (D) और (E)
- (4) केवल (B), (C), (D) और (E)

1[Option ID=10021]  
2[Option ID=10022]  
3[Option ID=10023]  
4[Option ID=10024]

Sl. No.7  
QBid:1501007

What is the full form of MOODLE, an open source Learning Management System (LMS)?

- (1) Modular Object Oriented Digital Learning Environment
- (2) Modular Object Oriented Dynamic Learning Environment
- (3) MOOCs Oriented Digital Learning Environment
- (4) Multiple Object Oriented Dynamic Learning Environment

मुक्त स्रोत अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एल एम एस) मूडल (एम ओ ओ डी एल ई) का पूर्ण रूप क्या है?

- (1) मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड डिजिटल लर्निंग एन्वायरनमेंट
- (2) मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड डाइनेमिक लर्निंग एन्वायरनमेंट
- (3) मूक्स ओरियन्टेड डिजिटल लर्निंग एन्वायरनमेंट

(4) मल्टीपल ऑप्जेक्ट ओरियन्टेड डाइनेमिक लर्निंग एन्वायरनमेंट

- 1[Option ID=10025]
- 2[Option ID=10026]
- 3[Option ID=10027]
- 4[Option ID=10028]

Sl. No.8

QBID:1501008

Given below are two statements :

Statement I : Assesment drives learning.

Statement II : No feedback is required to be given in formative assessments.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- (1) Both Statement I and Statement II are correct
- (2) Both Statement I and Statement II are incorrect
- (3) Statement I is correct but Statement II is incorrect
- (4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : आकलन अधिगम को प्रेरित करता है।

कथन (II) : रचनात्मक आकलनों में प्रतिपुष्टि देने की आवश्यकता नहीं है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन I और II दोनों सही हैं।
- (2) कथन I और II दोनों गलत हैं।
- (3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
- (4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

- 1[Option ID=10029]
- 2[Option ID=10030]
- 3[Option ID=10031]
- 4[Option ID=10032]

Sl. No.9

QBID:1501009

According to Dewry, education is a

- (1) Social need
- (2) Personal need
- (3) Status need
- (4) Financial need

इयोरी के अनुसार शिक्षा है:

- (1) सामाजिक आवश्यकता
- (2) व्यक्तिगत आवश्यकता
- (3) स्थिति (स्टेटस) आवश्यकता
- (4) वित्तीय आवश्यकता

- 1[Option ID=10033]
- 2[Option ID=10034]
- 3[Option ID=10035]
- 4[Option ID=10036]

Sl. No.10

QBID:1501010

Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching has various components. Which of the following is not a component under this scheme?

- (1) Inter University Centres of UGC
- (2) Faculty Development Centers (FDCs)
- (3) Teaching Learning Centres (TLCs)
- (4) School Of Education (SOE)

शिक्षकों एवं शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के विभिन्न घटक हैं। निम्नलिखित में से कौन सा इस योजना का घटक नहीं है

- (1) यू जी सी के अन्तर्विश्वविद्यालय केन्द्र
- (2) फेकल्टी विकास केन्द्र (एफ डी सी)
- (3) शिक्षण अधिगम केन्द्र (टी एल सी)
- (4) शिक्षा संकाय (एस ओ ई)

1[Option ID=10037]

2[Option ID=10038]

3[Option ID=10039]

4[Option ID=10040]

Sl. No.11

QBID:1501011

Which of the following are the features of case study method?

- (A) It is appreciative
- (B) It is particularistic
- (C) It is descriptive
- (D) It is inductive
- (E) It is mechanical

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A), (B), (C) only
- (2) (B), (C), (D) only
- (3) (C), (D), (E) only
- (4) (A), (D), (E) only

प्रकरण (केस) अध्ययन पद्धति की विशेषताएँ निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

(A) यह प्रशंसनात्मक है।

(B) यह विशष्टापरक है।

(C) यह विवरणात्मक है।

(D) यह आगमनात्मक है।

(E) यह यांत्रिक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C)

(2) केवल (B), (C), (D)

(3) केवल (C), (D), (E)

(4) केवल (A), (D), (E)

1[Option ID=10041]

2[Option ID=10042]

3[Option ID=10043]

4[Option ID=10044]

Sl. No.12

QBID:1501012

Which of the following are remote data collection procedures?

(A) Third party interview

(B) Pop-ups

(C) Data base e-mail

(D) Instant messaging

(E) Panel discussions

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (B), (C) only

(2) (B), (C), (D) only

(3) (C), (D), (E) only

(4) (A), (B), (E) only

निम्नलिखित में से दूरस्थ ऑकड़ा संग्रहण की प्रक्रियाएँ कौन सी हैं?

(A) थर्ड पार्टी इंटरव्यू (तृतीय पक्ष साक्षात्कार)

(B) पाप-अप्स

(C) डाटा बेस ईमेल

(D) इंस्टैन्ट मैसेजिंग (तात्कालिक संदेशन)

(E) पैनल डिस्कशन (नामिका परिचर्चा)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C)

(2) केवल (B), (C), (D)

- (3) केवल (C), (D), (E)  
(4) केवल (A), (D), (E)

1[Option ID=10045]  
2[Option ID=10046]  
3[Option ID=10047]  
4[Option ID=10048]

Sl. No.13  
QBid:1501013

To perform t-test which of the following softwares can be utilized?

- (A) MS Excel  
(B) Unix  
(C) SPSS  
(D) MS Equations

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only  
(2) (B), (C) and (D) only  
(3) (A) and (C) only  
(4) (A), (C) and (D) only

टी-परीक्षण करने हेतु निम्नलिखित में से कौन सा सॉफ्टवेयर प्रयुक्त किया जा सकता है?

- (A) एम. एस. एक्सेल  
(B) यूनिक्स  
(C) एस पी एस एस  
(D) एम. एस. इक्वेशन्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A) और (B)  
(2) केवल (B), (C) और (D)  
(3) केवल (A) और (C)  
(4) केवल (A), (C) और (D)

1[Option ID=10049]  
2[Option ID=10050]  
3[Option ID=10051]  
4[Option ID=10052]

Sl. No.14  
QBid:1501014

Match List I with List II

List I	List II
Types of Research	Research Characteristic
(A) Cohort analysis	(I) Study of a specific population as it undergoes change over time.
(B) Cultivation analysis	(II) Simultaneous analysis of two or more data tables.
(C) Factor analysis	(III) Analysis of perceptions of social world.
(D) Canonical analysis	(IV) A multivariate statistical test used for data reduction.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I

शोध के प्रकार

(A) सहगण विश्लेषण

(B) कल्टीवेशन (संस्कृति) विश्लेषण

(C) कारक विश्लेषण

(D) प्रामाणिक विश्लेषण

सूची-II

शोध की विशेषताएं

(I) समय के साथ बदलती हुई, एक विशेष जनसँख्या का अध्ययन

(II) दो या अधिक आँकड़ा सारणियों का साथ-साथ विश्लेषण

(III) सामाजिक जगत के प्रत्यक्षण का विश्लेषण

(IV) आँकड़ों के लघुकरण हेतु बहुचर साँचिकीय परीक्षण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

1[Option ID=10053]

2[Option ID=10054]

3[Option ID=10055]

4[Option ID=10056]

Sl. No.15

QBID:1501015

The measures of inter-coder reliability are employed in research related to

(1) Discourse analysis

(2) Narrative analysis

(3) Path analysis

(4) Content analysis

इंटर-कोडर विश्वसनीयता के मानदंडों का प्रयोग निम्न से संबंधित शोध में होता है:

(1) विमर्श विश्लेषण

(2) वृत्तांत विश्लेषण

(3) पथ विश्लेषण

(4) विषय-वस्तु विश्लेषण

1[Option ID=10057]

2[Option ID=10058]

3[Option ID=10059]

4[Option ID=10060]

Sl. No.16

QBID:1501016

Transforming ideas, thoughts and messages into verbal and non-verbal signs and symbols is known as

(1) Channelisation

(2) Controlled communication

(3) Encoding

(4) Decoding

धारणाओं, विचारों और संदेशों का मौखिक एवं गैर-मौखिक प्रतीकों में रूपांतरण किस नाम से जाना जाता है ?

(1) मार्गीकरण (चैनलाइज़ेशन)

(2) नियंत्रित सम्प्रेषण

(3) कूटलोग्वन

(4) विकूटन

1[Option ID=10061]

2[Option ID=10062]

3[Option ID=10063]

4[Option ID=10064]

Sl. No.17

QBID:1501017

Which of the following are the effects of oral communication?

(A) Fragmented information

(B) Personal connect

(C) Feed back

(D) Objectivity

(E) Absence of interpretation

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (A), (B) and (C) only

(3) (B) and (C) only

(4) (C), (D) and (E) only

निम्नलिखित में से कौन से मौखिक सम्प्रेषण के प्रभाव हैं?

(A) खंडात्मक सूचना

(B) वैयक्तिक संबंध

(C) प्रतिपुष्टि (फीडबैक)

(D) वस्तुनिष्ठता

(E) व्याख्या का अभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (A), (B) और (C)

(3) केवल (B) और (C)

(4) केवल (C), (D) और (E)

1[Option ID=10065]

2[Option ID=10066]

3[Option ID=10067]

4[Option ID=10068]

Sl. No.18

QBID:1501018

Given below are two statements :

Statement I : The psychological obstacle in communication can be seen when the receiver fails to refer language to reality and experience.

Statement II : The stereotypes held by one also contribute to the failure of language to reflect social reality.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

- (1) Both Statement I and Statement II are true
- (2) Both Statement I and Statement II are false
- (3) Statement I is true but Statement II is false
- (4) Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : सम्प्रेषण में मनोवैज्ञानिक बाधा तब देखी जा सकती है, जब ग्रहणकर्ता यथार्थ एवं अनुभव को भाषा का संदर्भ देने में विफल रहता है।

कथन (II) : किसी व्यक्ति के रूढ़ प्ररूप सामाजिक यथार्थता को प्रतिबिंబित करने में भाषा की विफलता में भी योगदान करते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
- (2) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
- (3) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
- (4) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

1[Option ID=10069]

2[Option ID=10070]

3[Option ID=10071]

4[Option ID=10072]

Sl. No.19

QBid:1501019

Identify the correct sequence of the elements of communication set by Aristotle:

- (A) Speech
- (B) Speaker
- (C) Audience
- (D) Occasion
- (E) Effect

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (D), (B), (C), (E)
- (2) (D), (B), (A), (E), (C)
- (3) (C), (D), (A), (E), (B)
- (4) (B), (A), (D), (C), (E)

असन्तृप्त विवरण के तत्वों के सही क्रम की पहचान कीजिए :

- (A) भाषण
- (B) वक्ता
- (C) श्रोता
- (D) अवसर
- (E) प्रभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A), (D), (B), (C), (E)
- (2) (D), (B), (A), (E), (C)

(3) (C), (D), (A), (E), (B)

(4) (B), (A), (D), (C), (E)

1[Option ID=10073]

2[Option ID=10074]

3[Option ID=10075]

4[Option ID=10076]

Sl. No.20

QBID:1501020

Match List I with List II :

List I	List II
Types of Communication Effects	Source of Service
(A) Instrumental	(I) Author's observation
(B) Prestige	(II) A range of special requests
(C) Reinforcement	(III) Sentimental fiction
(D) Aesthetic	(IV) Factual reports

Choose the correct answer from the options given below:

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए।

सूची I	सूची II
सम्प्रेषण के प्रभाव के प्रकार	सेवा का स्रोत
(A) सहायक	(I) लेखक का अवलोकन
(B) प्रतिष्ठा	(II) विशेष अनुरोधों की एक सेन्ज
(C) पुनर्बल्तन	(III) भावपूर्ण कथा-साहित्य
(D) सौदर्यपरक	(IV) तथ्यात्मक रिपोर्ट

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=10077]

2[Option ID=10078]

3[Option ID=10079]

4[Option ID=10080]

Sl. No.21

QBID:1501021

Find the wrong term in the series given below:

16, 22, 30, 45, 52, 66, .....

(1) 22

(2) 30

(3) 66

(4) 45

नीचे दी गई श्रृंखला में गलत पद का पता लगाइए?

16, 22, 30, 45, 52, 66, .....

(1) 22

(2) 30

(3) 66

(4) 45

1[Option ID=10081]

2[Option ID=10082]

3[Option ID=10083]

4[Option ID=10084]

**Sl. No.22**

**QBID:1501022**

If the word EARTH be written as QPMZS in coded form, how can the word HEART be written in the same code?

(1) SPMZQ

(2) SQMPZ

(3) SPMQZ

(4) SQPMZ

यदि शब्द - EARTH को कूट रूप में QPMZS लिखा जाता है तो HEART को उसी कूट में किस प्रकार लिखा जा सकता है?

(1) SPMZQ

(2) SQMPZ

(3) SPMQZ

(4) SQPMZ

1[Option ID=10085]

2[Option ID=10086]

3[Option ID=10087]

4[Option ID=10088]

**Sl. No.23**

**QBID:1501023**

Compute the value of  $\frac{(0.35)^2 - (0.03)^2}{0.19}$  upto 3 decimal places:

(1) 0.064

(2) 0.64

(3) 0.006

(4) 0.694

$\frac{(0.35)^2 - (0.03)^2}{0.19}$  के मान की दशमलव के तीन स्थानों तक गणना कीजिए।

(1) 0.064

(2) 0.64

(3) 0.006

(4) 0.694

1[Option ID=10089]

2[Option ID=10090]

3[Option ID=10091]

4[Option ID=10092]

Sl. No.24

QBID:1501024

10 chairs and 5 tables were purchased for Rs. 17,500. If the average cost of a chair is

Rs.1000, What is the average cost of a table?

(1) Rs. 1,400

(2) Rs. 1,200

(3) Rs. 1,100

(4) Rs. 1,500

10 कुर्सियाँ और 5 मेजों को रु 17,500 में खरीदा गया। यदि एक कुर्सी की औसत कीमत 1000 रु है; तब एक मेज की कीमत औसत क्या है?

(1) रु. 1,400

(2) रु. 1,200

(3) रु. 1,100

(4) रु. 1,500

1[Option ID=10093]

2[Option ID=10094]

3[Option ID=10095]

4[Option ID=10096]

Sl. No.25

QBID:1501025

An Aeroplane started 30 minutes later than the scheduled time from a place 1500 km

away from its destination. To reach the destination at the scheduled time the pilot needed

to increase the speed by 250 km/hr. What was the speed of the Aeroplane during journey?

(in km/hr).

(1) 750

(2) 1000

(3) 800

(4) 900

एक हवाई जहाज ने अपने गंतव्य से 1500 कि.मी. की दूरी पर किसी स्थान से अपने निर्धारित समय से 30 मिनट की देरी से उड़ना प्रारंभ किया। अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से पहुँचने हेतु पायलट को गति में 250 किमी. प्रति घंटे की दर से वृद्धि करनी आवश्यक हुयी। यात्रा के दौरान हवाई जहाज की गति कितनी थी (किमी./घंटा में)?

(1) 750

(2) 1000

(3) 800

(4)

1[Option ID=10097]  
 2[Option ID=10098]  
 3[Option ID=10099]  
 4[Option ID=10100]

**Sl. No.26**  
**QBID:1501026**

In classical square of opposition if 'No S is P' is given as false then which of the following could be immediately inferred from it?

- (A) 'Some S is not P' is true
- (B) 'All S is P' is undetermined
- (C) 'Some S is not P' is undetermined
- (D) 'Some S is P' is true
- (E) 'Some S is not P' is false

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (B), (D) and (E) only
- (2) (A), (B) and (D) only
- (3) (A), (D) and (E) only
- (4) (B), (C) and (D) only

विद्युति के क्लासिकीय वर्ग में यदि 'कोई S, P नहीं है', असल के रूप में दिया हो तब निम्नलिखित में से इससे कौन-सा सीधे तौर पर अनुमान लगाया जा सकता है।

- (A) 'कुछ S, P नहीं है', सत्य है
- (B) 'सभी S, P हैं', अनिर्धारित है।
- (C) 'कुछ S, P नहीं है', अनिर्धारित है।
- (D) 'कुछ S, P हैं', सही है
- (E) 'कुछ S, P नहीं है', गलत है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (B), (D) और (E)
- (2) केवल (A), (B) और (D)
- (3) केवल (A), (D) और (E)
- (4) केवल (B), (C) और (D)

1[Option ID=10101]

2[Option ID=10102]  
3[Option ID=10103]  
4[Option ID=10104]

Sl. No.27  
QBID:1501027

Which Fallacy is committed in the following argument?

“Smooth Sailing is all that's there to LIFE with ABC Insurance Policy.”

- (1) The Appeal to Emotion
- (2) The Appeal to Pity
- (3) The Appeal to Force
- (4) Irrelevant Conclusion

निम्नलिखित युक्ति में कौन-सा दोष व्याप्त है?  
‘ए. बी. सी. बीमा पॉलिसी के साथ जीवन-यापन सुगम होता है’

- (1) भावना के लिए आग्रह
- (2) दया के लिए आग्रह
- (3) बल के लिए आग्रह
- (4) अप्रासंगिक निष्कर्ष

1[Option ID=10105]  
2[Option ID=10106]  
3[Option ID=10107]  
4[Option ID=10108]

Sl. No.28  
QBID:1501028

Given below are two statements :

Statement I : To draw an analogy between two or more entities is to indicate one or more respects in which they are similar.

Statement II : Every analogical inference proceeds from the similarity of two or more things in one or more respects to the similarity of those things in some further respect.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- (1) Both Statement I and Statement II are correct
- (2) Both Statement I and Statement II are incorrect
- (3) Statement I is correct but Statement II is incorrect
- (4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : दो या अधिक सत्ताओं के मध्य अनुरूपता को बनाना एक या अधिक पहलुओं में उनकी समानता की तरफ इंगित करता है।

कथन (II) : प्रत्येक सादृश्यमूलक अनुमान एक या उससे अधिक पहलुओं में दो या उससे अधिक वस्तुओं की समानता से उन वस्तुओं के किसी अतिरिक्त पहलू की समानता की ओर अग्रसर होता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन I और II दोनों सही हैं।

- (2) कथन I और II दोनों गलत हैं।
- (3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
- (4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

1[Option ID=10109]  
 2[Option ID=10110]  
 3[Option ID=10111]  
 4[Option ID=10112]

**Sl. No.29**  
**QBID:1501029**

Given below are two statements :

Statement I : For the Classical Indian thinkers, inference (anumāna) means only syllogistic inference.

Statement II : Unlike Aristotelian Syllogism, anumāna involves four steps instead of three.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

- (1) Both Statement I and Statement II are true
- (2) Both Statement I and Statement II are false
- (3) Statement I is true but Statement II is false
- (4) Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : क्लासिकी भारतीय चिंतकों के लिए अनुमान का अर्थ केवल न्यायबद्ध अनुमान से है।

कथन (II) : अरस्तूवादी न्यायवाक्य से विपरीत अनुमान में तीन के बजाय चार चरण शामिल होते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
- (2) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
- (3) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
- (4) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

1[Option ID=10113]  
 2[Option ID=10114]  
 3[Option ID=10115]  
 4[Option ID=10116]

**Sl. No.30**  
**QBID:1501030**

Which of the following means of knowledge involves positing of something for making any unit of cognition self-complete?

- (1) Comparison (Upamāna)
- (2) Postulation (Arthāpatti)
- (3) Non-Cognition (Anupalabdhī)
- (4) Verbal Testimony (Śabda)

ज्ञान के निम्नलिखित साधनों में से किस में बोध की कोई भी ईकाई की स्वपूर्णता निर्मित करने हेतु कुछ मान लेना शामिल होता है?

- (1)

## उपमान

- (2) अर्थापति
- (3) अनुपलब्धि
- (4) शब्द

1[Option ID=10117]  
2[Option ID=10118]  
3[Option ID=10119]  
4[Option ID=10120]

Sl. No.31  
QBID:1501031

With respect to data communication, which of the following statements is true about fibre optic cable?

- (1) Fibre optic cable carries data in pulses of light and is prone to interference.
- (2) Fibre optic cable carries data as electronic signals and is not prone to interference.
- (3) Fibre optic cable carries data as electronic signals and is prone to interference.
- (4) Fibre optic cable carries data in pulses of light and is not prone to interference.

डाटा (ऑकड़ा) संचार के संदर्भ में, फाइबर ऑप्टिक केबल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

- (1) फाइबर ऑप्टिक केबल प्रकाश स्पंद में ऑकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।
- (2) फाइबर ऑप्टिक केबल इलैक्ट्रॉनिक संकेतकों के रूप में ऑकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।
- (3) फाइबर ऑप्टिक केबल इलैक्ट्रॉनिक संकेतकों के रूप में ऑकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।
- (4) फाइबर ऑप्टिक केबल प्रकाश स्पंद में ऑकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख नहीं है।

1[Option ID=10121]  
2[Option ID=10122]  
3[Option ID=10123]  
4[Option ID=10124]

Sl. No.32  
QBID:1501032

Arrange the following computer memory types from fastest to slowest speed:

- (A) Hard Disk
- (B) Main Memory (RAM)
- (C) CD-ROM
- (D) CPU Registers
- (E) Cache Memory

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (D), (E), (A), (B), (C)
- (2) (A), (C), (B), (D), (E)
- (3) (E), (D), (B), (A), (C)
- (4) (D), (E), (B), (A), (C)

कंप्यूटर स्मृति के निम्नलिखित प्रकारों को तीव्रतम से मंदगति के क्रम में लिखिए :

- (A) हार्ड डिस्क
- (B) मुख्य स्मृति (आर ए एम)
- (C) सी डी - आर ओ एम
- (D) सी पी यू रजिस्टर
- (E) काशे स्मृति (काशे मेमोरी)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (D), (E), (A), (B), (C)
- (2) (A), (C), (B), (D), (E)
- (3) (E), (D), (B), (A), (C)
- (4) (D), (E), (B), (A), (C)

1[Option ID=10125]  
2[Option ID=10126]  
3[Option ID=10127]  
4[Option ID=10128]

**Sl. No.33**  
**QBID:1501033**

Which of the following statements about malware are true?

- (A) A Trojan Horse is malware disguised as legitimate software.
- (B) A Virus inserts itself into another program. It runs and spreads itself when the program is opened.
- (C) A worm is similar to a virus except that it does not need a program in order to run. It spreads by itself.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (A) and (C) only
- (3) (B) and (C) only
- (4) (A), (B) and (C)

मालवेयर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है?

- (A) ट्रोजन हॉर्स एक मालवेयर है जो वैध सॉफ्टवेयर के छद्मवेश में होता है।
- (B) वाइरस किसी दूसरे प्रोग्राम में स्वयं घुस जाता है। जब प्रोग्राम खोला जाता है तो यह इसमें चलने और फैलने लगता है।
- (C) कृमि एक वायरस के समान होता है। इसमें अंतर सिर्फ यह होता है कि इसको चलने के लिए प्रोग्राम की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं फैलता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A) और (B)
- (2) केवल (A) और (C)
- (3) केवल (B) और (C)
- (4) केवल (A), (B) और (C)

1[Option ID=10129]  
2[Option ID=10130]  
3[Option ID=10131]  
4[Option ID=10132]

Sl. No.34  
QBID:1501034

Match List I with List II

List I (File)	List II (File Format)
(A) Video	(I) .xlsx
(B) Podcast	(II) .jpg
(C) Photograph	(III) .mp4
(D) Spreadsheet	(IV) .mp3

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)
- (2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)
- (3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)
- (4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I

फाइल

सूची-II

फाइल फार्मेट

- |                |                   |
|----------------|-------------------|
| (A) वीडियो     | (I) .एक्सएलएसएक्स |
| (B) पोडकास्ट   | (II) .जेरीजी      |
| (C) फोटोग्राफ  | (III) .एमपी4      |
| (D) स्प्रैडशीट | (IV) .एमपी3       |

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)
- (2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)
- (3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)
- (4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=10133]

2[Option ID=10134]

3[Option ID=10135]

4[Option ID=10136]

Sl. No.35

QBID:1501035

In the following spreadsheet, which of the formulae below would be best for cell C2? Note that the formula must be able to be copied down from C2 to both C3 and C4.

	A	B	C
1	Lunch Cost (Rs.)	Dinner Cost (Rs.)	Total Cost (Rs.)
2	15	27	42
3	23	35	58
4	10	35	45

- (1) = A\$2 + \$B2
- (2) = \$A\$2 + B2
- (3) = \$A\$2 + \$B\$2
- (4) = \$A2 + \$B2

निम्नलिखित विस्तार शीट (स्प्रेडशीट) में, निम्नलिखित में कौन-सा सूत्र (फार्मूला) सेल सी 2 के लिए सर्वोत्तम रहेगा ? नोट करें कि फार्मूला, सी 2 से सी 3 और सी 4 दोनों में कॉपी हो सके।

	ए	बी	सी
1	मध्यान्ह भोजन लागत (₹.)	रात्रि भोजन लागत (₹.)	कुल लागत (₹.)
2	15	27	42
3	23	35	58
4	10	35	45

(1) = ए\$2 + \$बी2

(2) = \$ए\$2 + बी2

(3) = \$ए\$2 + \$बी\$2

(4) = \$ए2 + \$बी2

1[Option ID=10137]

2[Option ID=10138]

3[Option ID=10139]

4[Option ID=10140]

Sl. No.36

QBID:1501036

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

Assertion (A) : Soil Pollution due to detergents affects the root growth of the plants and depresses the growth of soil micro-organisms.

Reason (R) : Presence of detergents in soil makes the soil more acidic.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are correct but (R) is NOT the correct explanation of (A)
- (3) (A) is correct but (R) is not correct
- (4) (A) is not correct but (R) is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : अपमार्जकों (डिटरजेंट) के कारण हुए मृदा प्रदूषण से पौधों के मूल विकास पर प्रभाव पड़ता है और मृदा की सूक्षक जीवों के विकास को भी कम कर देता है।

कारण (R) : मृदा में डिटरजेंट की उपस्थिति मृदा को अधिक अम्लीय बना देता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
- (4) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

1[Option ID=10141]  
2[Option ID=10142]  
3[Option ID=10143]  
4[Option ID=10144]

Sl. No.37  
QBID:1501037

Examples of Persistent Organic Pollutants (POPs) are:

- (A) Dioxins
- (B) PAN
- (C) VOC
- (D) FURANS
- (E) PCB

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (D), (E) only
- (2) (A), (B), (D) only
- (3) (B), (C), (E) only
- (4) (C), (D), (E) only

सतत जैव प्रूषकों (POPs) के उदाहरण हैं :

- (A) डायोक्सिन्स
- (B) पीएन (PAN)
- (C) वी ओ सी (VOC)
- (D) फ्लूरांस
- (E) पी सी बी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (D), (E)
- (2) केवल (A), (B), (D)
- (3) केवल (B), (C), (E)
- (4) केवल (C), (D), (E)

1[Option ID=10145]

2[Option ID=10146]

3[Option ID=10147]

4[Option ID=10148]

**Sl. No.38**

**QBID:1501038**

In the first commitment period of Kyoto Protocol, how many green house gases were covered for reducing their emissions?

- (1) 4
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 7

क्योटो प्रोटोकॉल की प्रथम प्रतिबद्धता अवधि में कितने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए आवरित किया गया था ?

- (1) 4
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 7

1[Option ID=10149]

2[Option ID=10150]

3[Option ID=10151]

4[Option ID=10152]

**Sl. No.39**

**QBID:1501039**

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

Assertion (A) : Green hydrogen production will be critical for world community to achieve carbon neutrality by the year 2050.

Reason (R) : The energy content of hydrogen gas is much higher than that of coal.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) (A) is false but (R) is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : विश्व समुदाय के लिए 2050 तक कार्बन निरपेक्षता प्राप्त करने हेतु हरित हाइड्रोजन का उत्पादन निर्णायक होगा।

कारण (R) : इंडिग्रोजन गैस की ऊर्जा मात्रा कोयले की अपेक्षा बहुत अधिक होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (2) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य नहीं है।
- (4) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

1[Option ID=10153]

2[Option ID=10154]

3[Option ID=10155]

4[Option ID=10156]

Sl. No.40

QID:1501040

Since the start of industrial revolution, the acidity of ocean's surface water has

- (1) increased by ~10%
- (2) remained constant
- (3) decreased by ~25%
- (4) increased by ~30%

औद्योगिक क्रांति की शुरुआत से समुद्र के सतही जल की अम्लता -

- (1) ~10% बढ़ गयी है
- (2) यथावत है
- (3) ~25% कम हो गयी है
- (4)

~30% बढ़ गयी है

- 1[Option ID=10157]
- 2[Option ID=10158]
- 3[Option ID=10159]
- 4[Option ID=10160]

**Sl. No.41**  
**QBID:1501041**

A Government University with Institute of Eminence status can have foreign faculty upto a maximum of

- (1) 20% of total faculty strength
- (2) 25% of total faculty strength
- (3) 30% of total faculty strength
- (4) 35% of total faculty strength

लब्ध प्रतिष्ठित संस्थान की स्थिति प्राप्त शासकीय विश्वविद्यालय में अधिकतम कितने विदेशी शिक्षक रखे जा सकते हैं?

- (1) कुल शिक्षकों की संख्या का 20%
- (2) कुल शिक्षकों की संख्या का 25%
- (3) कुल शिक्षकों की संख्या का 30%
- (4) कुल शिक्षकों की संख्या का 35%

- 1[Option ID=10161]
- 2[Option ID=10162]
- 3[Option ID=10163]
- 4[Option ID=10164]

**Sl. No.42**  
**QBID:1501042**

Credits earned by a student and stored in Academic Bank of Credit, after the date of earning such credits, will have validity upto a maximum of

- (1) 7 years
- (2) 10 years
- (3) 12 years
- (4) 15 years

किसी छात्र द्वारा अर्जित और अकादमिक क्रेडिट बैंक में जमा क्रेडिट, प्राप्त करने की तिथि के पश्चात, अधिकतम कब तक के लिये वैध होंगे?

- (1) 7 वर्षों के लिए
- (2) 10 वर्षों के लिए
- (3) 12 वर्षों के लिए
- (4) 15 वर्षों के लिए

- 1[Option ID=10165]
- 2[Option ID=10166]
- 3[Option ID=10167]
- 4[Option ID=10168]

**Sl. No.43**  
**QBID:1501043**

Identify the statutory bodies of a University:

- (A) Board of studies
- (B) Academic Council
- (C) Executive Council
- (D) Finance Committee
- (E) University Court

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (B), (C), (D) only
- (2) (A), (C) only
- (3) (A), (C), (E) only
- (4) (B), (C), (D), (E) only

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकायों को चिन्हित कीजिए :

- (A) अध्ययन मंडल
- (B) शैक्षिक परिषद
- (C) कार्यकारी परिषद
- (D) वित्त समिति
- (E) विश्वविद्यालय कोर्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (B), (C), (D)
- (2) केवल (A), (C)
- (3) केवल (A), (C), (E)
- (4) केवल (B), (C), (D), (E)

1[Option ID=10169]  
2[Option ID=10170]  
3[Option ID=10171]  
4[Option ID=10172]

Sl. No.44  
QBid:1501044

Environmental education must be integral to all academic programmes as students need to be mainly sensitized about

- (1) its interdisciplinary and multidisciplinary nature
- (2) its emergence as a specialized field
- (3) relationship between culture and environment

**(4) environmental degradation and its consequences for life on earth**

पर्यावरणी शिक्षा आवश्यक रूप से सभी शैक्षिक कार्यक्रमों का अनिवार्य अंग होना चाहिए जिससे छात्रों को निम्न के बारे में मुख्यतः जागरूक बनाया जा सके:

- (1) इसकी अंतर्विषयी और बहुविषयी प्रकृति
- (2) इसका विशेष क्षेत्र के रूप में आविर्भाव
- (3) संस्कृति और पर्यावरण के मध्य संबंध
- (4) पर्यावरणी निम्नीकरण और पृथ्वी पर जीवन के लिए इसका परिणाम

1[Option ID=10173]

2[Option ID=10174]

3[Option ID=10175]

4[Option ID=10176]

**Sl. No.45**

**QBID:1501045**

'How could a lamp, which does not keep on burning, light another lamp?' This statement is from the book titled 'Siksha (learning). Who among the following is the author of this book?

- (1) Rabindranath Tagore
- (2) Sarvapalli Radhakrishnan
- (3) Jyoti Phule
- (4) Savitribai Phule

'कोई दीपक जब स्वयं नहीं जल रहा है, किसी अन्य दीपक को कैसे जला सकता है?' यह कथन शिक्षा (सीखना) शीर्षक पुस्तक से है। निम्नलिखित में से इस पुस्तक के लेखक कौन हैं?

- (1) रबीन्द्रनाथ टैगर
- (2) सर्वपल्ली राधाकृष्णन
- (3) ज्योतिबा फुले
- (4) सावित्री बाई फुले

1[Option ID=10177]

2[Option ID=10178]

3[Option ID=10179]

4[Option ID=10180]

**Sl. No.46**

**QBID:1501046**

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :**

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्यधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंబित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

Despite hegemony, why marginalised people do not protest?

- (1) Because they are too weak.
- (2) They are not bothered being dominated.
- (3) Privileged groups forcefully suppress them.
- (4) Because of the promise that the dominant ideology is in their best interest.

सीमांत लोग आधिपत्य के बावजूद विरोध क्यों नहीं करते हैं?

- (1) क्योंकि वे अत्यधिक कमज़ोर हैं।
- (2)

उन्हें आधिपत्य में रहने के बारे में चिंता नहीं है।

(3) विशेषाधिकार-प्राप्त समूह बलपूर्वक उनका दमन करते हैं।

(4) इस वचन के कारण से कि वर्चस्वकारी विचार धारा उनके सर्वोत्तम हित में है।

1[Option ID=10181]

2[Option ID=10182]

3[Option ID=10183]

4[Option ID=10184]

Sl. No.47

QBID:1501047

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

What is the acceptance of domination called?

Hegemony

- (2) Marginalisation
- (3) Spontaneous consent
- (4) Reflective desire

वर्चस्व की स्वीकार्यता को क्या कहा जाता है?

- (1) आधिपत्य
- (2) सीमांतीकरण
- (3) स्वतः स्फूर्त सहमति
- (4) प्रतिबिंबिक इच्छा

1[Option ID=10185]

2[Option ID=10186]

3[Option ID=10187]

4[Option ID=10188]

Sl. No.48  
QBID:1501048

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :**

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंబित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The dominant ideology survives because of its

- (1) Social Power
- (2) Flexible appropriation
- (3) Beneficial features
- (4) Ideological components

वर्चस्वकारी विचारधारा किस कारण से बनी रहती है?

- (1) सामाजिक शक्ति
- (2)

## लचीला विनियोजन

(3) लाभप्रद विशेषताएं

(4) वैचारिक घटक

1[Option ID=10189]

2[Option ID=10190]

3[Option ID=10191]

4[Option ID=10192]

Sl. No.49

QBid:1501049

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The dominant cultural institutions have the power to

- (A) Absorb challenges
- (B) Maintain relations with social groups
- (C) Destroy opposition
- (D) Re-establish the previous norms

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (B), and (C) only
- (3) (C) and (D) only
- (4) (A) and (D) only

वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाओं में क्या शक्ति होती है ?

- (A) चुनौतियों को आत्मसात करना
- (B) सामाजिक समूहों के साथ संबंध बनाए रखना
- (C) विरोध को नष्ट करना
- (D) पूर्ववर्ती मानकों को पुनः स्थापति करना

सही विकल्प चुनिए :

- (1) केवल (A) और (B)
- (2) केवल (B) और (C)
- (3) केवल (C) और (D)
- (4) केवल (A) और (D)

1[Option ID=10193]

2[Option ID=10194]

3[Option ID=10195]

4[Option ID=10196]

Sl. No.50

QBID:1501050

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :**

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The passage explains

- (1) The forced absorption of the marginalized into the mainstream
- (2) The establishment of the ideology of the marginalised
- (3) The defects of spontaneous consent
- (4) The survival of dominant ideology against the challenges

उपरोक्त गद्यांश क्या स्पष्ट करता है?

- (1) सीमांतीकृत का मुख्य धारा में बलात् आत्मसात करना
- (2) सीमांतीकृत की विचारधारा की स्थापना

(3) स्वतः स्फूर्त सहमति के दोष

(4) चुनौतियों के विरुद्ध वर्चस्वकारी विचारधारा का बने रहना

1[Option ID=10197]

2[Option ID=10198]

3[Option ID=10199]

4[Option ID=10200]

Sl. No.51

QBID:331001

पैशाची प्राकृत दे नशान मिले न :

(1) बंगालदेश ते वियतनाम दें स्तंभे पर

(2) गंधार, तुर्कीस्तान आदि दे शिलालेखे च

(3) हिमाचल प्रदेश दे ताप्रपत्रे च

(4) डोगरा राज-काल दियें प्रशस्तियें च

1[Option ID=11401]

2[Option ID=11402]

3[Option ID=11403]

4[Option ID=11404]

Sl. No.52

QBID:331002

मिश्रत वाक्य दी रचना च :

(1) इक मुख्य ते बाकी गौण उपवाक्य होंदे न

(2) इक गौण ते दो सुतंतर उपवाक्य होंदे न

(3) इक मुख्य ते त्रै गौण उपवाक्य होंदे न

(4) सिर्फ दो सुतंतर उपवाक्य होंदे न

1[Option ID=11405]

2[Option ID=11406]

3[Option ID=11407]

4[Option ID=11408]

Sl. No.53

QBID:331003

‘इ’ व्यंजन :

(1) संघर्षी, महाप्राण, तालब्य ऐ

(2) स्पर्श, संघर्षी, अल्पप्राण, तालब्य ऐ

(3) सधोश, अल्पप्राण, मूर्धन्य ऐ

(4) कंद्रय, अल्पप्राण, स्पर्श ऐ

1[Option ID=11409]

2[Option ID=11410]

3[Option ID=11411]

4[Option ID=11412]

Sl. No.54

QBID:331004

‘डोगरी डिक्षनरी’ दे छें भाग च प्रविशिट्यां न :

(1) ‘च’ थमां ‘ह’ तगर

(2) ‘च’ थमां ‘ह’ तगर

(3) ‘प’ थमां ‘ह’ तगर

(4) ‘म’ थमां ‘ह’ तगर

1[Option ID=11413]

2[Option ID=11414]

3[Option ID=11415]

4[Option ID=11416]

Sl. No.55

QBID:331005

समूह-वाचक संज्ञां न :

- (1) भीड़, भरोदू, ऐगड़, भार  
(2) जान्नी, नड़ोआ, गंद, डंग  
(3) घूंगा, गुच्छा, दस्ता, दोहर  
(4) झूना, जोड़ी, थंब्बी, पजेकी

1[Option ID=11417]  
2[Option ID=11418]  
3[Option ID=11419]  
4[Option ID=11420]

Sl. No.56  
QBID:331006

प्रश्नवाचक प्राणि-सूचक सर्वनाम दा तिर्यक् इकवचनी रूप ऐ :

- (1) कुंदे  
(2) कोहदे  
(3) कैहदा  
(4) कैहदे

1[Option ID=11421]  
2[Option ID=11422]  
3[Option ID=11423]  
4[Option ID=11424]

Sl. No.57  
QBID:331007

इंदे च मिनने आहला परिमाण सूचक विशेषण ऐ :

- (1) मन (चौल)  
(2) दो पलिया (तेल)  
(3) किशा (लोक)  
(4) बटटी (छ्यो)

1[Option ID=11425]  
2[Option ID=11426]  
3[Option ID=11427]  
4[Option ID=11428]

Sl. No.58  
QBID:331008

डोगरी भाषा ते डोगरी लिपि च प्रकाशत पुस्तक ऐ :

- (1) रोजातुल सफ़ा  
(2) तुऱ्जके जहांगीरी  
(3) लीलावती  
(4) मस्केटरी रेगुलेशन

1[Option ID=11429]  
2[Option ID=11430]  
3[Option ID=11431]  
4[Option ID=11432]

Sl. No.59  
QBID:331009

“असें एह दिन पुढटी सुट्टने नों” कविता दे कवि न:

- (1) दीनू भाई पंत  
(2) मोहनलाल सपोलिया  
(3) किशन सैलपुरी  
(4) रामनाथ शास्त्री

1[Option ID=11433]  
2[Option ID=11434]

3[Option ID=11435]  
4[Option ID=11436]

Sl. No.60  
QBID:331010

रामनाथ शास्त्री

- (1) प्रगतिवादी
- (2) जीवन दर्शन सरबंधी
- (3) संघर्ष ते साधना सरबंधी
- (4) हिरण्य-प्यार सरबंधी

1[Option ID=11437]  
2[Option ID=11438]  
3[Option ID=11439]  
4[Option ID=11440]

Sl. No.61  
QBID:331011

‘बदलदा समा’ कविता दे कवि न :

- (1) शम्भूनाथ शर्मा
- (2) मोहनलाल सपोलिया
- (3) यश शर्मा
- (4) परमानंद अलमस्त

1[Option ID=11441]  
2[Option ID=11442]  
3[Option ID=11443]  
4[Option ID=11444]

Sl. No.62  
QBID:331012

मुक्तक काव्य दे रूप न :

- (1) दोहे, कुंडलियां ते गीत
- (2) दोहे, सवैये, ते कल्पना
- (3) दोहे, सवैये ते गज़ल
- (4) दोहे, चंपक्ते ते सान्नेट

1[Option ID=11445]  
2[Option ID=11446]  
3[Option ID=11447]  
4[Option ID=11448]

Sl. No.63  
QBID:331013

‘इक क्रोह उच्चा धरम’ कहानी दा मुख्य उद्देश्य ऐ :

- (1) धरम दी व्याख्या करना
- (2) धरम दी पालना करना
- (3) आपो-अपने धरम गी मनना
- (4) धरम दा पालन करना बिखडे ते औखे पैंडे तैड करने बरोबर ऐ

1[Option ID=11449]  
2[Option ID=11450]  
3[Option ID=11451]  
4[Option ID=11452]

Sl. No.64  
QBID:331014

‘कमलो’ कहानी संग्रह दियां कहानियां :

- (1) डुगर दे निम्न मध्यवर्गीय परिवारे दी अक्कासी करदियां न
- (2) डुगर दे उच्च-सम्पन्न परिवारे दी अक्कासी करदियां न

(3) ਨਮੁਲਿਂਧੇ ਮਨੁਕਖੀ ਕਦਰੋਂ ਦੀ ਅਵਕਾਸੀ ਕਰਦਿਆਂ ਨ

(4) ਵਿਕਾਸਵਾਦ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਗੀ ਬੰਦੇਰਦਿਆਂ ਨ

1[Option ID=11453]

2[Option ID=11454]

3[Option ID=11455]

4[Option ID=11456]

Sl. No.65

QBID:331015

ਇੰਦੇ ਚਾ ਪ੍ਰੋ. ਮਦਨ ਮੋਹਨ ਸ਼ਾਮਾ ਹੁੰਦੀ ਕਹਾਨੀ ਏ :

(1) ਘਰੋਂਦੀ ਸੱਜਾਂ ਦੀ ਧੁਧ

(2) ਹਰੇ ਜੰਗਲ ਦਾ ਕਤਲ

(3) ਅਪਨੇ ਫਰਥੋਂ ਚਿਨੀ ਟੀ ਕੰਘ

(4) ਬਾਗਦੇ ਦੇਰੇਆ ਆਲਾ ਲੇਖਾ

1[Option ID=11457]

2[Option ID=11458]

3[Option ID=11459]

4[Option ID=11460]

Sl. No.66

QBID:331016

'ਕਹਾਨੀ ਜੇਹੜੀ ਨੇਈ ਲਾਖੋਵੀ' ਕਹਾਨੀ ਸੰਕਲਤ ਏ :

(1) 'ਤੰਦਾ' ਪੋਥੀ ਚ

(2) 'ਤਿਤਲਿਆਂ' ਪੋਥੀ ਚ

(3) 'ਚਿੜ੍ਹਾ ਕਾਲਰ' ਪੋਥੀ ਚ

(4) ਅੜ੍ਹੂ ਮੜਾਟੈ' ਪੋਥੀ ਚ

1[Option ID=11461]

2[Option ID=11462]

3[Option ID=11463]

4[Option ID=11464]

Sl. No.67

QBID:331017

ਨਾਰੀ ਸ਼ਸ਼ਕਿਤਕਰਣ ਦਾ ਮੂੰਹ ਬੋਲਦਾ ਦਸਤਾਵੇਜ਼ ਗਲਾਯਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਏ :

(1) 'ਮੁੱਸ' ਉਪਨਿਆਸ ਗੀ

(2) 'ਅਨੱਤ' ਉਪਨਿਆਸ ਗੀ

(3) 'ਭਾਗੀਰਥ' ਉਪਨਿਆਸ ਗੀ

(4) 'ਮਕਾਨ' ਉਪਨਿਆਸ ਗੀ

1[Option ID=11465]

2[Option ID=11466]

3[Option ID=11467]

4[Option ID=11468]

Sl. No.68

QBID:331018

ਆਦਰਸ਼ਵਾਦ ਤੇ ਯਥਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਗਲਬੈ ਚਲਨੇ ਆਹਲਾ ਉਪਨਿਆਸ :

(1) 'ਭਗਾਤੀ' ਏ

(2) 'ਚਰਖਡੀ' ਏ

(3) 'ਹਰਦੇਵੇ ਦੀ ਗਢੀ' ਏ।

(4) 'ਗਾਯਤ੍ਰੀ' ਏ

1[Option ID=11469]

2[Option ID=11470]

3[Option ID=11471]

4[Option ID=11472]

Sl. No.69

QBID:331019

आदर्शवाद ते यथार्थवाद दे गवमै चलने आहुता उपन्यास :

- (1) 'भगाली' ऐ
- (2) 'चरखडी' ऐ
- (3) 'पीढियें दी पीऱ' ऐ
- (4) 'चीर जसरथ खोखर' ऐ

1[Option ID=11473]  
2[Option ID=11474]  
3[Option ID=11475]  
4[Option ID=11476]

Sl. No.70  
QBID:331020

महानगरी जीवन ते समस्याएं पर अधारत उपन्यास :

- (1) महानगरी जीवन ते समस्याएं पर अधारत उपन्यास :
- (2) 'द्रेड' ऐ
- (3) 'अपना-अपना सूरज' ऐ
- (4) 'त्रुटी दी डोर' ऐ

1[Option ID=11477]  
2[Option ID=11478]  
3[Option ID=11479]  
4[Option ID=11480]

Sl. No.71  
QBID:331021

'त्रुटी दी डोर' ऐ

- (1) ओसबन्स ने
- (2) प्रिस्टले ने
- (3) बेकन ने
- (4) लूकस ने

1[Option ID=11481]  
2[Option ID=11482]  
3[Option ID=11483]  
4[Option ID=11484]

Sl. No.72  
QBID:331022

'लोक लेखै' गद्य पोशी दे लेखक न :

- (1) ज्ञान सिंह
- (2) ज्ञान सिंह
- (3) चंदु भाऊ
- (4) मोहन सिंह

1[Option ID=11485]  
2[Option ID=11486]  
3[Option ID=11487]  
4[Option ID=11488]

Sl. No.73  
QBID:331023

'डोगरी ललित निबंध' नाएं दी पोथियें दे संपादक न :

- (1) बृज मोहन ते ज्ञान सिंह
- (2) ज्ञान सिंह ते रतन असोत्रा
- (3)

शिव दोबलिया ते ज्ञान सिंह

- (4) बृज मोहन ते रतन बसोत्रा

1[Option ID=11489]  
2[Option ID=11490]  
3[Option ID=11491]  
4[Option ID=11492]

Sl. No.74  
QBID:331024

विश्वनाथ खंजूरिया हुंदा निबंध ‘घमाई फिरै इ’ने लीडरें उपरा’ संकलन ऐ :

- (1) ‘चुब्बां ते हासे’ संकलन च  
(2) ‘रम्जी सीरा’ संकलन च  
(3) ‘दिन-दिन जोत सोआई’ संकलन च  
(4) ‘डोगरी लेख संग्रेह’ संकलन च

1[Option ID=11493]  
2[Option ID=11494]  
3[Option ID=11495]  
4[Option ID=11496]

Sl. No.75  
QBID:331025

‘महा बलीदान’ नाटक ऐ :

- (1) शिवराम दीप दा  
(2) शिवदेव सुशील दा  
(3) सुतीक्षण कुमार ‘आनंदम दा  
(4) टी.आर. मगोत्रा ‘सागर’ दा

1[Option ID=11497]  
2[Option ID=11498]  
3[Option ID=11499]  
4[Option ID=11500]

Sl. No.76  
QBID:331026

परिवारिक परिस्थितियें पर अधारत मनोवैज्ञानिक एकांकी :

- (1) ‘सडैन’ ऐ  
(2) ‘शूटिंग’ ऐ  
(3) ‘घुण्डिया’ ऐ  
(4) ‘गूऱ्ज’ ऐ

1[Option ID=11501]  
2[Option ID=11502]  
3[Option ID=11503]  
4[Option ID=11504]

Sl. No.77  
QBID:331027

‘गूऱ्ज’ ऐ

- (1) लैहरां  
(2) तलाश  
(3) सुन्दरी  
(4) हीखी

1[Option ID=11505]  
2[Option ID=11506]  
3[Option ID=11507]  
4[Option ID=11508]

Sl. No.78  
QBID:331028

‘गलूप’ नाटक संग्रह, च संकलित नाटक :

- (1) ‘मेमना’ ऐ
- (2) ‘संजोग’ ऐ
- (3) ‘पक्षखापात’ ऐ
- (4) पैहर घ्याडा ऐ

1[Option ID=11509]

2[Option ID=11510]

3[Option ID=11511]

4[Option ID=11512]

Sl. No.79

QBID:331029

बरै, म्हीने, दिन भुरदे-भुरदे भुरी गे, उँदे मनै च साढे चेते घलदे-घलदे घली गे। कवतांश च :

- (1) पुनरुक्ति दोश ऐ
- (2) अधिकपदत्व दोश ऐ
- (3) असमर्थ दोश ऐ
- (4) ग्राम्यत्व दोश ऐ

1[Option ID=11513]

2[Option ID=11514]

3[Option ID=11515]

4[Option ID=11516]

Sl. No.80

QBID:331030

बरै, म्हीने, दिन भुरदे-भुरदे भुरी गे, उँदे मनै च साढे चेते घलदे-घलदे घली गे। कवतांश च :

- (1) विशेषण वक्रता ऐ
- (2) क्रिया-विशेषण वक्रता ऐ
- (3) उपचार वक्रता ऐ
- (4) अलंकार वक्रता ऐ

1[Option ID=11517]

2[Option ID=11518]

3[Option ID=11519]

4[Option ID=11520]

Sl. No.81

QBID:331031

‘डोगरी साहित्य चर्चा’ दा आधार :

- (1) भारती काव्य-शास्त्र ऐ
- (2) पाश्चात्य काव्य-शास्त्र ऐ
- (3) मता भारती ते किंश पाश्चात्य काव्य-शास्त्र ऐ
- (4) संस्कृत काव्य शास्त्र ऐ

1[Option ID=11521]

2[Option ID=11522]

3[Option ID=11523]

4[Option ID=11524]

Sl. No.82

QBID:331032

अलंकारे दा प्रयोग सम्बन्धे थां पैहले होआ :

- (1) नाट्य शास्त्र च
- (2) वैदिक साहित्य च
- (3) काव्यालंकार च

(4) उपनिषदें च

1[Option ID=11525]  
2[Option ID=11526]  
3[Option ID=11527]  
4[Option ID=11528]

Sl. No.83  
QBID:331033

डोगरी भाशा च लम्मे सुरे आहला समूह गीत होंदा ऐ :

- (1) कारक
- (2) भाख
- (3) बिशनपता
- (4) कुइङ गीत

1[Option ID=11529]  
2[Option ID=11530]  
3[Option ID=11531]  
4[Option ID=11532]

Sl. No.84  
QBID:331034

डबल्यू जी आर्चर दी कताब ऐ :

- (1) पेटिंग्स आफ हिमाचलस
- (2) पेटिंग्स आफ कांगड़ा
- (3) पेटिंग्स आफ पंजाब
- (4) पेटिंग्स आफ जम्मू कश्मीर

1[Option ID=11533]  
2[Option ID=11534]  
3[Option ID=11535]  
4[Option ID=11536]

Sl. No.85  
QBID:331035

‘फोकलो’ आसै ‘लोक संस्कृति’ शब्द बरते दा ऐ :

- (1) डा. सुनीतिकुमार चैटर्जी ने
- (2) डा. कृष्णदेव उपाध्याय ने
- (3) डा. श्याम परमार ने
- (4) डा. वासुदेव शरण अग्रवाल ने

1[Option ID=11537]  
2[Option ID=11538]  
3[Option ID=11539]  
4[Option ID=11540]

Sl. No.86  
QBID:331036

बैलड (गाथा) गी ‘गीतात्मक कथानक’ आखेदा ऐ :

- (1) प्रो. केट्रीज ने
- (2) आचार्य विश्वनाथ ने
- (3) हैजलिट ने
- (4) प्रो. रामनाथ शास्त्री ने

1[Option ID=11541]  
2[Option ID=11542]  
3[Option ID=11543]  
4[Option ID=11544]

Sl. No.87

**QBid:331037**

श्रीमद्भगवद्गीता दे डोगरी-प्हाड़ी अनुवाद दे अनुवादक न :

- (1) गौतम व्यथित
- (2) श्रेष्ठा पठानिया
- (3) श्याम लाल डोगरा
- (4) रामकृष्ण प्हाड़ी

1[Option ID=11545]

2[Option ID=11546]

3[Option ID=11547]

4[Option ID=11548]

**Sl. No.88**

**QBid:331038**

इति हास्तांक शब्द संस्कृत के रूप में

- (1)
- (2) चॉम्स्की ने
- (3) जार्ज कैम्पबेल ने
- (4) रिचर्ड्स ने

1[Option ID=11549]

2[Option ID=11550]

3[Option ID=11551]

4[Option ID=11552]

**Sl. No.89**

**QBid:331039**

अनूदित डोगरी उपन्यास 'पिछलग' दा विशेः :

- (1) इतिहासक ऐ
- (2) परिवारक ऐ
- (3) आर्थक ऐ
- (4) राजनीतक ऐ

1[Option ID=11553]

2[Option ID=11554]

3[Option ID=11555]

4[Option ID=11556]

**Sl. No.90**

**QBid:331040**

राजनीतक ऐ

- (1) श्याम लाल शर्मा ने
- (2) राम नाथ शास्त्री ने
- (3) देव रत्न शास्त्री ने
- (4) बीणा गुप्ता ने

1[Option ID=11557]

2[Option ID=11558]

3[Option ID=11559]

4[Option ID=11560]

**Sl. No.91**

**QBid:331041**

पाणिनि दे अस्त्राध्यायी पर :

- (A) वार्तिक लिखे गे
- (B) महाभाष्य लिखे गे
- (C) जयदित्य ते वामन ने 'काशिका' नांड दी टीका लिखी
- (D) जिनेंद्र बुद्धि ने 'तंत्रप्रदीप' नांड दी टीका लिखी

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (A), (B) ते (D) ठीक न
- (2) (A), (C) ते (D) ठीक न
- (3) (B), (C) ते (D) ठीक न
- (4) (A), (B) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11561]

2[Option ID=11562]

3[Option ID=11563]

4[Option ID=11564]

Sl. No.92

QBid:331042

भाशा :

- (A) ध्वनि संकेते दी इक व्यवस्था होंदी ए
- (B) च रुढ गुण दा होना इक खामी ए
- (C) च यादृच्छिकता दा गुण होंदा ए
- (D) च बरतोने आहले ध्वनि-संकत सर्वब्यापी होंदे न

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (A), (B) ते (C) ठीक न
- (2) (A), (B) ते (C) ठीक न
- (3) (A) ते (C) ठीक न
- (4) (A) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11565]

2[Option ID=11566]

3[Option ID=11567]

4[Option ID=11568]

Sl. No.93

QBid:331043

लौकिक संस्कृत :

- (A) गी देववाणी बी आखेआ जंदा ए
- (B) दा साहित्य विश्व प्रसिद्ध ए
- (C) दी रूप-रचना च अनेकरूपता दे कारण जटलता ए
- (D) इक नियमबद्ध भाशा ए

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

लौकिक संस्कृत :

- (A) गी देववाणी बी आखेआ जंदा ए
- (B) दा साहित्य विश्व प्रसिद्ध ए
- (1) (C) दी रूप-रचना च अनेकरूपता दे कारण जटलता ए
- (D) इक नियमबद्ध भाशा ए

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (2) (B), (C) ते (D) ठीक न
- (3)

(A), (B) ते (D) ठीक न

(4) (B) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11569]  
2[Option ID=11570]  
3[Option ID=11571]  
4[Option ID=11572]

Sl. No.94  
QBID:331044

‘करङ’ क्रिया-रूप :

- (1) (1) (A) ते (C) ठीक न  
(2) (B) ते (C) ठीक न  
(3) (B) ते (D) ठीक न  
(4) (A) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11573]  
2[Option ID=11574]  
3[Option ID=11575]  
4[Option ID=11576]

Sl. No.95  
QBID:331045

सहायक क्रिया :

- (A) मुक्ख क्रिया दे अर्थ गी गौण करदी ऐ  
(B) मुक्ख क्रिया दे अर्थ गी पूरा करने च योगदान दिंदी ऐ  
(C) चुकना, लगना ओड़ना म्हेशां गै सहायक क्रियां रौहंदियां न  
(D) दे जुड़ने कन्ने मुक्ख क्रिया दे रूप च तब्दीली औंदी ऐ

इंदे चा स्वेच्छा जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (B), (C) ते (D) ठीक न  
(2) (A), (C) ते (D) ठीक न  
(3) (B) ते (C) ठीक न  
(4) (B) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11577]  
2[Option ID=11578]  
3[Option ID=11579]  
4[Option ID=11580]

Sl. No.96  
QBID:331046

‘आपूं राजा’ :

- (A) गीत संग्रह ऐ (B) दे रचेता निर्मल विनोद होर न  
(C) दे रचेता ज्ञानेश्वर होर न (D) बाल कविता संग्रह ऐ

इंदे चा स्वेच्छा जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (C) ते (D) ठीक न  
(2) (B) ते (D) ठीक न  
(3) (A) ते (B) ठीक न  
(4) (A) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11581]  
2[Option ID=11582]  
3[Option ID=11583]  
4[Option ID=11584]

Sl. No.97  
QBID:331047

‘काली चिड़ी’ कविता संग्रह :

- (A) च 15 लम्फियां छंद मुक्त कवितां न  
(C) दी भूमिका प्रो. वीणा गुप्ता होरे लिखी दी ऐ
- (B) च कविताएं दे विशे गूहड ते गम्भीर न  
(D) च 15 लम्फियां छंदो बद्ध कवितां न

इंदे चा स्हेइ जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (A) ते (B) ठीक न  
(2) (A), (B) ते (C) ठीक न  
(3) (B), (C) ते (D) ठीक न  
(4) (A) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11585]

2[Option ID=11586]

3[Option ID=11587]

4[Option ID=11588]

Sl. No.98

QBID:331048

खंड काव्य :

- (A) निर्बंध काव्य दा इक रूप ऐ  
(C) च इक घटना दी प्रधानता होंदी ऐ
- (B) जीवन दे कुसै इक पैहलू गी लेइयै चलदा ऐ  
(D) च केई रस होंदे न।

इंदे चा स्हेइ जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (A), (B) ते (C) ठीक न  
(2) (A) ते (B) ठीक न  
(3) (B) ते (C) ठीक न  
(4) (B), (C) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11589]

2[Option ID=11590]

3[Option ID=11591]

4[Option ID=11592]

Sl. No.99

QBID:331049

कृष्णा प्रेम हुंदी कहानी ‘थम’म ते कलावा’ ऐ :

- (A) मनोवादी  
(C) प्रगतिवादी
- (B) यथार्थवादी  
(D) आदर्शवादी

इंदे चा स्हेइ जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- कृष्णा प्रेम हुंदी कहानी ‘थम’म ते कलावा’ ऐ :
- (1) (A) मनोवादी  
(C) प्रगतिवादी
- (B) यथार्थवादी  
(D) आदर्शवादी
- इंदे चा स्हेइ जवाब आहले विकल्प गी चुनो :
- (2) (B), (C) ते (D) ठीक न  
(3) (B), (C) ते (D) ठीक न  
(4) (A), (C) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11593]

2[Option ID=11594]

3[Option ID=11595]

4[Option ID=11596]

Sl. No.100

QBID:331050

प्रो. रामनाथ शास्त्री मैमोरियल अवार्ड प्राप्त क्वानी संग्रह न :

- |            |                    |
|------------|--------------------|
| (A) चेता   | (B) खौदुल          |
| (C) सुक्खन | (D) अंताकरण दी कैद |

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (A), (B) ते (C) ठीक न  
(2) (B), (C) ते (D) ठीक न  
(3) (A) ते (B) ठीक न  
(4) (B) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11597]  
2[Option ID=11598]  
3[Option ID=11599]  
4[Option ID=11600]

Sl. No.101

QBID:331051

‘भुक्ख’ उपन्यास :

- |                            |                    |
|----------------------------|--------------------|
| (A) वर्ग-संघर्ष पर अधारत ऐ | (B) दा नायक सतीश ऐ |
| (C) दा प्रकाशन ब’रा 1985 ऐ | (D) दा नायक शिव ऐ  |

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (A), (B) ते (C) ठीक न  
(2) (A), (C) ते (D) ठीक न  
(3) (A) ते (C) ठीक न  
(4) (C) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11601]  
2[Option ID=11602]  
3[Option ID=11603]  
4[Option ID=11604]

Sl. No.102

QBID:331052

‘कन्नी बरसांत’ उपन्यास :

- |  |                              |
|--|------------------------------|
| (A) नरसिंह देव जम्बाल हुंदा चौथा उपन्यास ऐ | (B) दी नायका दा नांड माधवी ऐ |
| (C) दा पात्र कुंवर प्रभात ऐ                | (D) दी नायका रानी ऐ          |

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

‘कन्नी बरसांत’ उपन्यास :

- (1) (A) नरसिंह देव जम्बाल हुंदा चौथा उपन्यास ऐ      (B) दी नायका दा नांड माधवी ऐ  
(C) दा पात्र कुंवर प्रभात ऐ      (D) दी नायका रानी ऐ

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (2) (B), (C) ते (D) ठीक न  
(3) (B) ते (C) ठीक न  
(4) (B) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11605]  
2[Option ID=11606]  
3[Option ID=11607]  
4[Option ID=11608]

Sl. No.103

QBID:331053

‘नंगा रुख’ उपन्यास :

- (1) (A) साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत ऐ      (B) जम्मू-कश्मीर कल्चरल अकैडमी द्वारा पुरस्कृत ऐ  
(C) दा अनुवाद हिंदी ते अंग्रेजी च होई चुकेदा ऐ      (D) प्रतीकात्मक शैली च लखोए दा ऐ

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

(2) (A), (C) ते (D) ठीक न

(3) (B), (C) ते (D) ठीक न

(4) (B) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11609]

2[Option ID=11610]

3[Option ID=11611]

4[Option ID=11612]

Sl. No.104

QBID:331054

ओम् विद्यार्थी हुंदा निबंध ‘लगन खुंझै करदा ऐ’ :

- (A) इक ललित निबंध ऐ (B) इक यात्रा लेख ऐ  
(C) इक व्यंगात्मक निबंध ऐ (D) इक संस्मरण ऐ

इ’दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनो :

ओम् विद्यार्थी हुंदा निबंध ‘लगन खुंझै करदा ऐ’ :

- (1) (A) इक ललित निबंध ऐ (B) इक यात्रा लेख ऐ  
(C) इक व्यंगात्मक निबंध ऐ (D) इक संस्मरण ऐ

इ’दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनो :

- (2) (A), (B) ते (D) ठीक न  
(3) (B) ते (D) ठीक न  
(4) (A) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11613]

2[Option ID=11614]

3[Option ID=11615]

4[Option ID=11616]

Sl. No.105

QBID:331055

‘दिन-दिन जोत सोआई’ संकलन च प्रकाशत रेखाचित्र न :

- (A) भुस्सरमुँडे (B) बैर ते बीरो  
(C) काल बैल्ल (D) शेर सिंह बनाम पंजुराम

इ’दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनो :

- (1) (A), (B) ते (C) ठीक न (2) (A), (C) ते (D) ठीक न  
(3) (B), (C) ते (D) ठीक न (4) (A), (B) ते (D) ठीक न  
  
(1) (A), (B) ते (C) ठीक न  
(2) (A), (C) ते (D) ठीक न  
(3) (B), (C) ते (D) ठीक न  
(4) (A), (B) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11617]

2[Option ID=11618]

3[Option ID=11619]

4[Option ID=11620]

Sl. No.106

QBID:331056

इ’दे चा नौमे दृहके च प्रकाशत संस्मरण न :

- (1) (A) खुंझ होई गेई अकिखयां लाई बैठे (B) जिंदा चेता नेई भुलदा  
(C) साडे साक-सरबंधी (D) चेते किश स’जें दे

इ’दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनो :

(2) (A), (C) ते (D) ठीक न

(3) (C) ते (D) ठीक न

(4) (B) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11621]

2[Option ID=11622]

3[Option ID=11623]

4[Option ID=11624]

Sl. No.107

QBID:331057

‘बगाना सच्च’ एकांकी :

(A) दे लेखक ओम गोस्वामी न (B) चत्र’ऊं जनानियें दी कहानी ऐ

(C) दी मुक्ख पातर ‘रेखा’ ऐ (D) मनोविज्ञानिक ऐ

इ’दे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

‘बगाना सच्च’ एकांकी :

(A) दे लेखक ओम गोस्वामी न (B) चत्र’ऊं जनानियें दी कहानी ऐ

(1) (C) दी मुक्ख पातर ‘रेखा’ ऐ (D) मनोविज्ञानिक ऐ

इ’दे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

(2) (A), (B) ते (C) ठीक न

(3) (A) ते (B) ठीक न

(4) (B) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11625]

2[Option ID=11626]

3[Option ID=11627]

4[Option ID=11628]

Sl. No.108

QBID:331058

‘यात्रा’ एकांकी संग्रहूच संकलित एकांकी न :

(A) गलेडियेटर (B) बिन आलडे दे पंछी

(C) ठंडा जुआलामुखी (D) इक कुंग तरेआई दी

इ’दे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

‘यात्रा’ एकांकी संग्रहूच संकलित एकांकी न :

(A) गलेडियेटर (B) बिन आलडे दे पंछी

(1) (C) ठंडा जुआलामुखी (D) इक कुंग तरेआई दी

इ’दे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

(2) (A), (B) ते (C) ठीक न

(3) (A), (B) ते (D) ठीक न

(4) B) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11629]

2[Option ID=11630]

3[Option ID=11631]

4[Option ID=11632]

Sl. No.109

QBID:331059

(1)



(2) (B), (C) ते (D) ठीक न

(3) (A), (B) ते (C) ठीक न

(4) (B) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11633]  
2[Option ID=11634]  
3[Option ID=11635]  
4[Option ID=11636]

Sl. No.110

QBid:331060

'History of Dogri Language and Literature' लेख :

(A) 'Poetry Today' च छपे दा ऐ (B) दा प्रकाशन कलकत्ते थमां होए दा ऐ

(C) दा संपादक प्रदीप कुमार चौधरी ऐ (D) दा संपादक ओ.पी. शर्मा ऐ

इ'दे चा स्वेच्छा जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

(1) (A), (B) ते (C) ठीक न

(2) (B), (C) ते (D) ठीक न

(3) (A), (C) ते (D) ठीक न

(4) (A) ते (B) ठीक न

1[Option ID=11637]  
2[Option ID=11638]  
3[Option ID=11639]  
4[Option ID=11640]

Sl. No.111

QBid:331061

मुहावरे दी उत्पत्ति दे आम कारण न :

(1) (A) इतिहासक घटना (B) अलंकार

(C) वक्रोक्ति (D) क्रिया विशेषन पदबंध

इ'दे चा स्वेच्छा जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

(2) (B), (C) ते (D) ठीक न

(3) (A), (B) ते (C) ठीक न

(4) (A), (B) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11641]  
2[Option ID=11642]

**3[Option ID=11643]  
4[Option ID=11644]**

SI. No.112  
QBID:331062

## चित्रकार 'छुनिया उस्ताद' :



इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

(B) ते (D) ठीक न

(1)

- (2) (B) ते (D) ठीक न  
 (3) (C) ते (D) ठीक न  
 (4) (A) ते (B) ठीक न

1[Option ID=11645]  
2[Option ID=11646]  
3[Option ID=11647]  
4[Option ID=11648]

SI. No.113  
QBID:331063

(1) (A), (B) ते (C) ठीक न  
(2) (B), (C) ते (D) ठीक न  
(3) (A), (C) ते (D) ठीक न  
(4) (A) ते (B) ठीक न

1[Option ID=11649]  
2[Option ID=11650]  
3[Option ID=11651]  
4[Option ID=11652]

Sl. No.114  
QBID:331064

(A) ते (B) ठीक न

‘ਮਾਂ ਗ੍ਰਾਂਡ ਛੋਡਨਾ ਨੇਈ ਚਾਂਹਦੀ’ :

- (1) (A) दे लेखक नरेश कुमार न (B) दे अनुवादक कुलदीप राज न  
 (C) कहानी-संग्रह ऐ (D) उपन्यास ऐ

इंदे चा सहेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (2) (B), (C) ते (D) ठीक न  
 (3) (A), (B) ते (C) ठीक न  
 (4) (A), (B) ते (C) ठीक न

1[Option ID=11653]  
2[Option ID=11654]  
3[Option ID=11655]  
4[Option ID=11656]

SI. No.115  
QBID:331065



पैहली चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें दा दूर्द चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें कनै सहेई मिलान करो :

चंदी – I

- (A) आम विद्यार्थी
- (B) शिवदेव सिंह सुशील
- (C) शमशेर सिंह
- (D) वीरेन्द्र केसर

चंदी – II

- (I) नमां कुरतु
- (II) चतर बपरी
- (III) जि नें द्वारें दिये बलंदे
- (IV) भेड़

इंदे चा सहेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)

1[Option ID=11669]

2[Option ID=11670]

3[Option ID=11671]

4[Option ID=11672]

Sl. No.119

QBID:331069

पैहली चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें दा दूर्द चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें कनै सहेई मिलान करो :

चंदी – I

- (A) प्रतीकात्मक
- (B) समाजी-यथार्थ
- (C) हास्य-ब्यंग
- (D) डायरी शैली

चंदी – II

- (I) मुऱ्ह ग्रां
- (II) 3 अप्रैल 1984
- (III) अज्ञातवासी
- (IV) काला तितर

इंदे चा सहेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो

पैहली चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें दा दूर्द चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें कनै सहेई मिलान करो :

चंदी – I

- (A) प्रतीकात्मक
- (B) समाजी-यथार्थ
- (C) हास्य-ब्यंग
- (D) डायरी शैली

चंदी – II

- (I) मुऱ्ह ग्रां
- (II) 3 अप्रैल 1984
- (III) अज्ञातवासी
- (IV) काला तितर

इंदे चा सहेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो

(2) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)

(3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)

(4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

1[Option ID=11673]

2[Option ID=11674]

3[Option ID=11675]

4[Option ID=11676]

Sl. No.120

QBID:331070

पैहली चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें दा दूँझ चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी – I

- (A) उन्नी सौ संताली
- (B) हाशिये पर
- (C) गास ओपरा धरत बगान्नी
- (D) बिन कन्धें कोठा

चंदी – II

- (I) मोन्ताज शैली
- (II) प्रतीकात्मक
- (III) यथार्थवादी
- (IV) आदर्शानुख

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो

(1) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

(4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=11677]

2[Option ID=11678]

3[Option ID=11679]

4[Option ID=11680]

Sl. No.121

QBID:331071

पैहली चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें दा दूँझ चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी – I

- (A) सूरवीरता ते न्यांस
- (B) स्त्रीके दी दुनिया
- (C) मनुकख कैहदे ताई जींदा ऐ?
- (D) चन्द्रभागा दी आत्मकथा

चंदी – II

- (I) रिपोताज शैली च यात्रालेख
- (II) लोकवार्ता
- (III) आत्मकथात्मक निबंध
- (IV) हास्य-व्यंग

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो

पैहली चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें दा दूँझ चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी – I

- (A) सूरवीरता ते न्यांस
- (1) (B) स्त्रीके दी दुनिया
- (C) मनुकख कैहदे ताई जींदा ऐ?
- (D) चन्द्रभागा दी आत्मकथा

चंदी – II

- (I) रिपोताज शैली च यात्रालेख
- (II) लोकवार्ता
- (III) आत्मकथात्मक निबंध
- (IV) हास्य-व्यंग

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-( IV), (D)-(I)

(3) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

1[Option ID=11681]

2[Option ID=11682]

3[Option ID=11683]

4[Option ID=11684]

Sl. No.122

QBID:331072

(A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

(1)

ਪੈਹੂਲੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿਵੇਂ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਵੇਂ ਦਾ ਦੂਜੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿਵੇਂ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਵੇਂ ਕਨੈ ਸ਼ੇਈ ਮਿਲਾਨ ਕਰੋ :

ਚੰਦੀ – I

- (A) ਸੋਚਨਾ ਪੌਗ
- (B) ਪਰਾਨਾ ਬੜ ਤੇ ਨਮੀ ਸਿੱਝਕ
- (C) ਤ੍ਰਿਫਲਾ
- (D) ਸਧ ਗੈ ਸਧ

ਚੰਦੀ – II

- (I) ਘਟਨਾ ਪ੍ਰਧਾਨ
- (II) ਕਿਯਾਂ ਮੁਕਕਾਗ, ਕੁਨੈ ਮਕਾਗ
- (III) ਭਾਈਵਾਲ
- (IV) ਮਨੋਵਿਜਾਨਕ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ

- (2) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)
- (3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)
- (4) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)

1[Option ID=11685]

2[Option ID=11686]

3[Option ID=11687]

4[Option ID=11688]

Sl. No.123

QBID:331073

ਪੈਹੂਲੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿਵੇਂ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਵੇਂ ਦਾ ਦੂਜੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿਵੇਂ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਵੇਂ ਕਨੈ ਸ਼ੇਈ ਮਿਲਾਨ ਕਰੋ :

ਚੰਦੀ – I

- (A) ਜੋਲਾ
- (B) ਕੱਕੋਸਕਾ
- (C) ਅਰਸ਼ੂ
- (D) ਸਿਗਮੰਡ ਫਾਇਡ

ਚੰਦੀ – II

- (I) ਆਧੁਨਿਕਤਾਵਾਦੀ
- (II) ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ
- (III) ਯਥਾਰਥਵਾਦੀ
- (IV) ਅਮਿਲਵਾਂਜਨਾਵਾਦੀ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ

(1)



- (2) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

- (3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

- (4) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)

1[Option ID=11689]

2[Option ID=11690]

3[Option ID=11691]

4[Option ID=11692]

Sl. No.124

QBID:331074

ਪੈਹਲੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿੱਧੇ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਂਡੋ ਦਾ ਦੂਜੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿੱਧੇ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਂਡੋ ਕਨੈ ਸ਼ੇਈ ਮਿਲਾਨ ਕਰੋ :

ਚੰਦੀ - I

- (A) ਆਮ ਘਟਨਾ
- (B) ਇਤਿਹਾਸਕ ਘਟਨਾ
- (C) ਕੁਝੋਕਿ
- (D) ਲੋਕਤਥ

ਚੰਦੀ - II

- (I) ਸਿਲ-ਸਲੈਟਾ ਚਟਨਾ
- (II) ਫੁਲਲ ਬਰਹਨਾ
- (III) ਚਟਟੀ ਭਨਾ
- (IV) ਨੀਰਨ ਪਾਨਾ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)

(4) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

1[Option ID=11693]

2[Option ID=11694]

3[Option ID=11695]

4[Option ID=11696]

Sl. No.125

QBid:331075

ਪੈਹਲੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿੱਧੇ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਂਡੋ ਦਾ ਦੂਜੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿੱਧੇ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਂਡੋ ਕਨੈ ਸ਼ੇਈ ਮਿਲਾਨ ਕਰੋ :

ਚੰਦੀ - I

- (A) ਜਨਤਾ ਦਾ ਆਦਮੀ
- (B) ਪੂਰੈ ਦੀ ਨਿਹਾਲਪ
- (C) ਲੂਣਾ
- (D) ਦੇਹਰਾ ਚ ਅੜਾ ਬੀ ਤਾਗਦੇ ਨ ਸਾਡੇ ਬੂਹੂਟੇ

ਚੰਦੀ - II

- (I) ਰਸਕਿਨ ਬਾਣਡ
- (II) ਚਿਨੁਆ ਅਚੇਵੇ
- (III) ਸੈਵਦ ਸੁਹਮਦ ਅਸ਼ਰਫ
- (IV) ਸ਼ਿਵ ਕੁਮਾਰ ਬਟਾਲਵੀ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ

ਪੈਹਲੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿੱਧੇ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਂਡੋ ਦਾ ਦੂਜੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿੱਧੇ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਂਡੋ ਕਨੈ ਸ਼ੇਈ ਮਿਲਾਨ ਕਰੋ :

ਚੰਦੀ - I

- (A) ਜਨਤਾ ਦਾ ਆਦਮੀ
- (1) (B) ਪੂਰੈ ਦੀ ਨਿਹਾਲਪ
- (C) ਲੂਣਾ
- (D) ਦੇਹਰਾ ਚ ਅੜਾ ਬੀ ਤਾਗਦੇ ਨ ਸਾਡੇ ਬੂਹੂਟੇ

ਚੰਦੀ - II

- (I) ਰਸਕਿਨ ਬਾਣਡ
- (II) ਚਿਨੁਆ ਅਚੇਵੇ
- (III) ਸੈਵਦ ਸੁਹਮਦ ਅਸ਼ਰਫ
- (IV) ਸ਼ਿਵ ਕੁਮਾਰ ਬਟਾਲਵੀ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ

(2) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

(3) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(4) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

1[Option ID=11697]

2[Option ID=11698]

3[Option ID=11699]

4[Option ID=11700]

Sl. No.126

QBid:331076

ਪੈਹਲੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿੱਧੇ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਂਡੋ ਦਾ ਦੂਜੀ ਚੰਦੀ ਚ ਦਿੱਤੀ ਦਿੱਧੇ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟਿਂਡੋ ਕਨੈ ਸ਼ੇਈ ਮਿਲਾਨ ਕਰੋ :

(1) (B), (A), (D), (C)

(2) (B), (A), (D), (C)

(3) (A), (D), (C), (B)

(4) (A), (D), (C), (B)

1[Option ID=11701]  
2[Option ID=11702]  
3[Option ID=11703]  
4[Option ID=11704]

Sl. No.127  
QBID:331077

ਕ੍ਰਿਆ-ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਨ, ਸੰਬਂਧ-ਸੂਚਕ, ਯੈਗਿਕ ਕ੍ਰਿਆਵਿਸ਼ੇਸ਼ਨ ਤੇ ਸਮੁੱਚਿਆ-ਬੋਧਕ ਅਵਧੀਂ ਦੇ ਇਸ ਕ੍ਰਮ ਦੇ ਸ਼ਹਾਬੋਂ ਇੰਦੇ ਪ੍ਰਯੋਗੇਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਐ :

- |                 |             |
|-----------------|-------------|
| (A) ਬਿਚ੍ਚੋ-ਬਿਚਚ | (B) ਬਕਖੀ    |
| (C) ਤਾਂ ਗੈ      | (D) ਬਨਿਸ਼ਵਤ |

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

- (1) (B), (A), (C), (D)  
(2) (B), (A), (C), (D)  
(3) (B), (A), (D), (C)  
(4) (D), (C), (B), (A)

1[Option ID=11705]  
2[Option ID=11706]  
3[Option ID=11707]  
4[Option ID=11708]

Sl. No.128  
QBID:331078

ਸੂਰ-ਲੈਹਾਗੀ, ਅਨਵਿਧੇ ਮੌਤੀ, ਹਾਸੇ ਜਾਰੀ ਨ ਤੇ ਸੋਚ ਅਪਨੀ-ਅਪਨੀ ਕਵਿਤਾ ਸੰਗ੍ਰਹੋਂ ਦੇ ਇਸ ਕ੍ਰਮ ਦੇ ਸ਼ਹਾਬੋਂ ਇੰਦੇ ਕਵਿਧੇਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਐ :

- |                       |                |
|-----------------------|----------------|
| (A) ਬਲਵਾਨ ਸਿੰਹ ਜਮੋਡਿਆ | (B) ਰਤਨ ਭਾਰਦਾਜ |
| (C) ਵਿਜਯ ਸ਼ਰਮਾ         | (D) ਤਾਰਾਨਾਥ    |

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

- (1) (A), (B), (C), (D)  
(2) (C), (B), (A), (D)  
(3) (D), (B), (A), (C)  
(4) (D), (B), (C), (A)

1[Option ID=11709]  
2[Option ID=11710]  
3[Option ID=11711]  
4[Option ID=11712]

Sl. No.129  
QBID:331079

ਸ਼ਿਵ ਮੈਹਤਾ ਹੁੰਦਿਧੇ ਕਹਾਨਿਧੇ - ਬਨਨਾ, ਮੀਣੇ ਦਾ ਸੇਕ, ਹਰਿ ਨਾਏਂ ਕਲਹ ਕਟੋਂਦੀ ਤੇ ਹੁਨਨਾ ਦੇ ਕ੍ਰਮ ਦੇ ਸ਼ਹਾਬੋਂ ਇੰਦੇ ਪਾਤਰੋਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਐ :

- |          |           |
|----------|-----------|
| (A) ਮਸੁੰ | (B) ਰਮਜਾਨ |
| (C) ਦੀਨੂ | (D) ਫਾਨੀ  |

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

ਸ਼ਿਵ ਮੈਹਤਾ ਹੁੰਦਿਧੇ ਕਹਾਨਿਧੇ - ਬਨਨਾ, ਮੀਣੇ ਦਾ ਸੇਕ, ਹਰਿ ਨਾਏਂ ਕਲਹ ਕਟੋਂਦੀ ਤੇ ਹੁਨਨਾ ਦੇ ਕ੍ਰਮ ਦੇ ਸ਼ਹਾਬੋਂ ਇੰਦੇ ਪਾਤਰੋਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਐ :

- (1) (A) ਮਸੁੰ  
(C) ਦੀਨੂ  
(B) ਰਮਜਾਨ  
(D) ਫਾਨੀ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

- (2)

(A), (C), (B) ते (D) ठीक न

(3) (B), (C), (A) ते (D) ठीक न

(4) (A), (B), (C) ते (D) ठीक न

1[Option ID=11713]

2[Option ID=11714]

3[Option ID=11715]

4[Option ID=11716]

Sl. No.130

QBID:331080

सत्या, संसारे, मरुखनी ते कमलो ताई-नारी पातरें दे इस क्रम दे सहाबे इंदे उपन्यासें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) सद्गुण पौंगरी पेइयां

(B) भगीरथ

(C) मुंस

(D) भगाती

इंदे चा स्हेई क्रम आहले विकल्प गी चुनो :

(1) (B), (D), (C), (A)

(2) (C), (D), (A), (B)

(3) (C), (D), (A), (B)

(4) (B), (A), (C), (D)

1[Option ID=11717]

2[Option ID=11718]

3[Option ID=11719]

4[Option ID=11720]

Sl. No.131

QBID:331081

बुआ शाही, ताई जॅती, ब्हालदारनी ते मासी बकीलनी रेखाचित्रे दे इस क्रम दे सहाबे इंदे कनै सरबंधत पातरे दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) नूह तृप्ता

(B) मासी पारो

(C) भैन प्रकाशो

(D) नूह रेणु

इंदे चा स्हेई क्रम आहले विकल्प गी चुनो :

(1) (B), (A), (C) ते (D)

(2) (C), (D), (B) ते (A)

(3) (C), (D), (B) ते (A)

(4) (A), (C), (B) ते (D)

1[Option ID=11721]

2[Option ID=11722]

3[Option ID=11723]

4[Option ID=11724]

Sl. No.132

QBID:331082

ਮਲਾਈ, ਮੌਤੀ ਛਾਮਾਂ ਹੇਠ, ਦੋਸ ਕੋਹੜਾ ਤੇ ਸਾਂਝੀ ਮੁਲਲ ਏਕਾਂਕਿਯੋਂ ਦੇ ਇਸ ਕ੍ਰਮ ਦੇ ਸ਼ਹਾਬੋਂ ਇੰਦੇ ਏਕਾਂਕੀਕਾਰੋਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਐ :

- (A) ਮਦਨ ਮੋਹਨ ਸ਼ਰ्मਾ
- (B) ਦੇਵਰਲਨ ਸ਼ਾਸ਼ਵੀ
- (C) ਦੀਨੂ ਭਾਈ ਪੰਤ
- (D) ਨਰਸਿੰਹ ਦੇਵ ਜਮਵਾਲ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

(1) (C), (A), (B), (D)

(2) (A), (C), (B), (D)

(3) (B), (D), (C), (A)

(4) (C), (B), (A), (D)

1[Option ID=11725]

2[Option ID=11726]

3[Option ID=11727]

4[Option ID=11728]

Sl. No.133

QBID:331083

ਉਪਜਿਵਾਦ, ਅਨੁਮਿਤਿਵਾਦ, ਭੁਕਿਵਾਦ ਤੇ ਅਭਿਵਕਿਵਾਦ ਦੇ ਵਿਦ੍ਵਾਨਾਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਐ :

- (A) ਭਣਨਾਯਕ
- (B) ਸ਼ਙਕੁਕ
- (C) ਅਮਿਨਵਗੁਪਤ
- (D) ਭਣਲੋਲਲਟ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

(1) (D), (B), (C), (A)

(2) (A), (B), (D), (C)

(3) (B), (A), (C), (D)

(4) (D), (B), (A), (C)

1[Option ID=11729]

2[Option ID=11730]

3[Option ID=11731]

4[Option ID=11732]

Sl. No.134

QBID:331084

ਡੋਗਰੀ ਲੋਕਗੀਤੋਂ ਚ ਬਰਖਾ, ਡੋਗਰੀ ਖੁਆਨ, ਡੋਗਰੀ ਦਾ ਲੋਕ ਸਾਹਿਤ੍ਯ ਤੇ ਡੁਗਰ ਦੇ ਲੋਕਗੀਤ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਤ ਲੇਖਾਂ ਦੇ ਇਸ ਕ੍ਰਮ ਦੇ ਸ਼ਹਾਬੋਂ ਇੰਦੇ ਲੋਖਕੋਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਐ :

- (A) ਵਿਸ਼ਵਨਾਥ ਖੜੂਰਿਆ
- (B) ਸ਼ਯਾਮਲਾਲ ਸ਼ਰ्मਾ
- (C) ਬੰਸੀਲਾਲ ਗੁਪਤਾ
- (D) ਸ਼ਕਿ ਸ਼ਰ्मਾ

ਇੰਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

(1) (A), (B), (C), (D)

(2) (A), (B), (D), (C)

(3) (B), (C), (A), (D)

(4) (A), (B), (D), (C)

- 1[Option ID=11733]  
2[Option ID=11734]  
3[Option ID=11735]  
4[Option ID=11736]

Sl. No.135  
QBID:331085

ਬੰਧਨ, ਗੁਆਂਢੀ, ਵਿਤਸਤਾ ਦਾ ਜੈਹਰ ਤੇ ਲਾਜਬਾਂਤੀ ਕਹਾਨਿਵੇਂ ਦੇ ਅਨੁਵਾਦਕੇਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈਂ ਕ੍ਰਮ ਏ :

- (A) ਬੀਣਾ ਗੁਪਤਾ  
(B) ਨੀਲਾਮ਼ਰ ਦੇਵ ਸ਼ਾਰ्मਾ  
(C) ਯਸਹਾਲ 'ਨਿਰਮਲ'  
(D) ਨਿਰਮਲ ਬਿਨੋਦ

ਇਂਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈਂ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

ਬੰਧਨ, ਗੁਆਂਢੀ, ਵਿਤਸਤਾ ਦਾ ਜੈਹਰ ਤੇ ਲਾਜਬਾਂਤੀ ਕਹਾਨਿਵੇਂ ਦੇ ਅਨੁਵਾਦਕੇਂ ਦਾ ਸ਼ੇਈਂ ਕ੍ਰਮ ਏ :

- (A) ਬੀਣਾ ਗੁਪਤਾ  
(B) ਨੀਲਾਮ਼ਰ ਦੇਵ ਸ਼ਾਰ्मਾ  
(1) (C) ਯਸਹਾਲ 'ਨਿਰਮਲ'  
(D) ਨਿਰਮਲ ਬਿਨੋਦ

ਇਂਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈਂ ਕ੍ਰਮ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

- (2) (A), (B), (C), (D)  
(3) (D), (B), (A), (C)  
(4) (C), (B), (A), (D)

- 1[Option ID=11737]  
2[Option ID=11738]  
3[Option ID=11739]  
4[Option ID=11740]

Sl. No.136  
QBID:331086

ਹੇਠ ਦੋ ਕਥਨ ਦਿੱਤੇ ਗੋਦੇ ਨ। ਇਕ (A) ਅਸ਼ਰਨ ਧਾਨਿ ਨਿਸ਼ਚਿਆਤਮਕ ਕਥਨ ਤੇ ਦੂਆ (R) ਰੀਝਨ ਧਾਨਿ ਕਾਰਣ ਏ।

ਅਸ਼ਰਨ (A) : ਡੋਗਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਕ੍ਰਿਆ-ਰੂਪ ਰਚਨਾ ਚ ਵਾਕਰਣਿਕ ਕੋਟਿਵੇਂ ਲੇਈ ਰੂਪਾਧਨ ਦੀ ਵਿਵਸਥਾ ਬਣੀ ਵਿਜਾਨਕ ਏ।

ਰੀਝਨ (R) : ਕੋਈ ਬਾਰੀ ਕ੍ਰਿਆ ਦਾ ਇਕੱਕੇ ਰੂਪ ਵਚਨ, ਕਾਲ, ਪੁਰਖ, ਅਰਥ, ਵਾਚਵ ਆਦਿ ਦੀ ਜਾਨਕਾਰੀ ਦੇਨੇ ਚ ਸਮਰਥ ਹੋਂਦਾ ਏ।  
ਜਿ'ਧਾਂ ਕਰਡ, ਚਲਡ, ਲਿਖਡ ਆਦਿ ਕ੍ਰਿਆ-ਰੂਪ।

ਇਂਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈਂ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

ਹੇਠ ਦੋ ਕਥਨ ਦਿੱਤੇ ਗੋਦੇ ਨ। ਇਕ (A) ਅਸ਼ਰਨ ਧਾਨਿ ਨਿਸ਼ਚਿਆਤਮਕ ਕਥਨ ਤੇ ਦੂਆ (R) ਰੀਝਨ ਧਾਨਿ ਕਾਰਣ ਏ।

ਅਸ਼ਰਨ (A) : ਡੋਗਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਕ੍ਰਿਆ-ਰੂਪ ਰਚਨਾ ਚ ਵਾਕਰਣਿਕ ਕੋਟਿਵੇਂ ਲੇਈ ਰੂਪਾਧਨ ਦੀ ਵਿਵਸਥਾ ਬਣੀ ਵਿਜਾਨਕ ਏ।

(1) ਰੀਝਨ (R) : ਕੋਈ ਬਾਰੀ ਕ੍ਰਿਆ ਦਾ ਇਕੱਕੇ ਰੂਪ ਵਚਨ, ਕਾਲ, ਪੁਰਖ, ਅਰਥ, ਵਾਚਵ ਆਦਿ ਦੀ ਜਾਨਕਾਰੀ ਦੇਨੇ ਚ ਸਮਰਥ ਹੋਂਦਾ ਏ।  
ਜਿ'ਧਾਂ ਕਰਡ, ਚਲਡ, ਲਿਖਡ ਆਦਿ ਕ੍ਰਿਆ-ਰੂਪ।

ਇਂਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈਂ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

(2) (A) ਤੇ (R) ਦੋਏ ਠੀਕ ਨ ਤੇ (A), (R) ਦਾ ਸ਼ੇਈਂ ਕਾਰਣ ਨੇਹੀਂ ਏ।

(3) (A) ਠੀਕ ਏ ਤੇ (R) ਗਲਤ ਏ।

(4) (A) ਗਲਤ ਏ ਤੇ (R) ਠੀਕ ਏ।

- 1[Option ID=11741]  
2[Option ID=11742]  
3[Option ID=11743]  
4[Option ID=11744]

Sl. No.137  
QBID:331087

ਹੇਠ ਦੋ ਕਥਨ ਦਿੱਤੇ ਗੋਦੇ ਨ। ਇਕ (A) ਅਸ਼ਰਨ ਧਾਨਿ ਨਿਸ਼ਚਿਆਤਮਕ ਕਥਨ ਤੇ ਦੂਆ (R) ਰੀਝਨ ਧਾਨਿ ਕਾਰਣ ਏ।

ਅਸ਼ਰਨ (A) : ਨਰਸਿੰਹ ਦੇਵ ਜਮਾਲ ਹੁੰਦਾ ਨਾਟਕ 'ਦੇਵਪੁਤਰ' ਧੂਨਾਨੀ ਲੋਖਕ 'ਸੋਫਕਲਿਸ' ਦੇ ਨਾਟਕ 'ਤੱਡੀਅੱਪਸ' ਦਾ ਡੋਗਰੀ ਅੰਗੀਕਾਰਣ ਏ।

ਰੀਝਨ (R) : 'ਦੇਵਪੁਤਰ' ਨਾਟਕ ਡੋਗਰਾ ਪਰਿਵੇਸ਼ ਚ ਪੂਰੀ ਚਾਲਲੀ ਅਸਭਾਵਕ ਲਗਦਾ ਏ।

ਇਂਦੇ ਚਾ ਸ਼ੇਈਂ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

- (1) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ।  
 (2) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण नेई ऐ।  
 (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।  
 (4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

1[Option ID=11745]  
 2[Option ID=11746]  
 3[Option ID=11747]  
 4[Option ID=11748]

Sl. No.138

QBID:331088

हेठ दो कथन दिते गोदे न। इक (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दूआ (R) रीज़न यानि कारण ऐ।

असर्शन (A) : विचारात्मक निवंधें च कुसै साहित्यक, नैतिक सिद्धांत, कुसै राजनैतिक, समाजक जां आर्थिक समस्या पर अपने जां दुए विचारके दे विचार प्रस्तुत कीते जंदे न।

रीज़न (R) : विचारात्मक निवंधें दे तैहत कुसै समस्या दे बक्ख-बक्ख पैहलुएं पर नजरसानी कीती जंदी ऐ।

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

- (1) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ।  
 (2) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण नेई ऐ।  
 (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।  
 (4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

1[Option ID=11749]  
 2[Option ID=11750]  
 3[Option ID=11751]  
 4[Option ID=11752]

Sl. No.139

QBID:331089

हेठ दो कथन दिते गोदे न। इक (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दूआ (R) रीज़न यानि कारण ऐ।

असर्शन (A) : कारके ते बारं दी शैली भासै इकैकै जनेही होंदी ऐ ब, इंदे संगीत च टकोहृद म्हेशां मजूद रीहृदी ऐ।

रीज़न (R) : ‘कारक’ च आत्मनिवेदन दी अलक लभदी ऐ ते ‘बार’ च आत्म सम्मान दी।

इंदे चा स्हेई जवाब आहले विकल्प गी चुनो :

**(1) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ**

- (2) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।  
 (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।  
 (4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

1[Option ID=11753]  
 2[Option ID=11754]  
 3[Option ID=11755]  
 4[Option ID=11756]

Sl. No.140

QBID:331090

(A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ

- (1) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ  
 (2) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण नेई ऐ  
 (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।  
 (4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

1[Option ID=11757]  
 2[Option ID=11758]  
 3[Option ID=11759]  
 4[Option ID=11760]

Sl. No.141

QBID:331091

ਖ' ਲਾ ਦਿਤੇ ਦੇ ਪੈਹ੍ਰੇ ਗੀ ਪਾਫਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਗੋਂ ਦਿਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ਵੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

ਸਾਧਾਰਣ ਕਿਧਾਏ ਦੀ ਰੂਪ-ਰਚਨਾ ਚ ਅਰਥ ਸੰਬੰਧੀ ਰੂਪਾਂਤਰ ਛੋਂ ਰੂਪੇਂ ਚ ਲਭਦਾ ਏ। ਏਹ ਛੇ ਰੂਪ ਨ: ਨਿਸ਼ਚਯਾਰੀ, ਸੰਮਾਵਾਵੀ, ਸਾਂਦਿਗੀਅਈ, ਸੰਕੇਤਾਈ, ਆਜ਼ਾਈ ਤੇ ਵਿਧਿ ਅਈ। ਨਿਸ਼ਚਿ ਅਰਥ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੈਨੈ ਕਾਲੋਂ ਚ ਅੰਦਾ ਏ, ਸੰਮਾਵ ਅਰਥ ਬੀ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੈਨੈ ਕਾਲੋਂ ਚ ਬਰਤੋਂਦਾ ਏ ਤੇ ਸਾਂਦਿਗ ਅਰਥ ਬੀ। ਪਰ ਸੰਕੇਤਾਈ ਭੂਤ ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਚ ਅੰਦਾ ਏ ਭਵਿਕਖ ਚ ਨੇਈ। ਇਸੈ ਚਾਲਲੀ ਆਜ਼ਾਈ ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਕਾਲੋਂ ਚ ਹੋਂਦਾ ਏ, ਭੂਤਕਾਲ ਚ ਨੇਈ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਦੀ ਰਚਨਾ ਚ ਕਿਧਾ ਦੇ ਸੰਜਾਈ ਰੂਪ ਜਾਨਾ, ਦੇਨਾ, ਪਢਨਾ ਬਗੈਰਾ ਕਨੈ ਸਾਂਧੋਗਮੂਲਕ ਕਿਧਾ ਬਰਤੋਂਦੀ ਏ। ਭੂਤਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਹਾ' ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਏ' ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਹੋਂਦਾ ਏ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਚ ਸਕਰਮਕ ਕਿਧਾਏ ਲੇਈ ਕਿਧਾ ਦੀ ਰੂਪ ਰਚਨਾ ਚ ਕਰਮ ਦੇ ਲਿੰਗ, ਵਰਚਨ ਬੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਈ ਜਦੇ ਨ।

ਇੰਦੇ ਚ ਨਿਸ਼ਚਯਾਰੀ ਭੂਤਕਾਲਕ ਰੂਪ ਏ :

- (1) ਇੰਦੇ ਚ ਨਿਸ਼ਚਯਾਰੀ ਭੂਤਕਾਲਕ ਰੂਪ ਏ :
- (2) ਚਡੇਆ
- (3) ਚਡੇਆ ਹੋਆਂ
- (4) ਚਡੇ ਹੋਗੇ

1[Option ID=11761]

2[Option ID=11762]

3[Option ID=11763]

4[Option ID=11764]

Sl. No.142  
QBID:331092

ਖ' ਲਾ ਦਿਤੇ ਦੇ ਪੈਹ੍ਰੇ ਗੀ ਪਾਫਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਗੋਂ ਦਿਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ਵੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

ਸਾਧਾਰਣ ਕਿਧਾਏ ਦੀ ਰੂਪ-ਰਚਨਾ ਚ ਅਰਥ ਸੰਬੰਧੀ ਰੂਪਾਂਤਰ ਛੋਂ ਰੂਪੇਂ ਚ ਲਭਦਾ ਏ। ਏਹ ਛੇ ਰੂਪ ਨ: ਨਿਸ਼ਚਯਾਰੀ, ਸੰਮਾਵਾਵੀ, ਸਾਂਦਿਗੀਅਈ, ਸੰਕੇਤਾਈ, ਆਜ਼ਾਈ ਤੇ ਵਿਧਿ ਅਈ। ਨਿਸ਼ਚਿ ਅਰਥ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੈਨੈ ਕਾਲੋਂ ਚ ਅੰਦਾ ਏ, ਸੰਮਾਵ ਅਰਥ ਬੀ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੈਨੈ ਕਾਲੋਂ ਚ ਬਰਤੋਂਦਾ ਏ ਤੇ ਸਾਂਦਿਗ ਅਰਥ ਬੀ। ਪਰ ਸੰਕੇਤਾਈ ਭੂਤ ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਚ ਅੰਦਾ ਏ ਭਵਿਕਖ ਚ ਨੇਈ। ਇਸੈ ਚਾਲਲੀ ਆਜ਼ਾਈ ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਕਾਲੋਂ ਚ ਹੋਂਦਾ ਏ, ਭੂਤਕਾਲ ਚ ਨੇਈ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਦੀ ਰਚਨਾ ਚ ਕਿਧਾ ਦੇ ਸੰਜਾਈ ਰੂਪ ਜਾਨਾ, ਦੇਨਾ, ਪਢਨਾ ਬਗੈਰਾ ਕਨੈ ਸਾਂਧੋਗਮੂਲਕ ਕਿਧਾ ਬਰਤੋਂਦੀ ਏ। ਭੂਤਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਹਾ' ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਏ' ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਹੋਂਦਾ ਏ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਚ ਸਕਰਮਕ ਕਿਧਾਏ ਲੇਈ ਕਿਧਾ ਦੀ ਰੂਪ ਰਚਨਾ ਚ ਕਰਮ ਦੇ ਲਿੰਗ, ਵਰਚਨ ਬੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਈ ਜਦੇ ਨ।

“(ਕਤਾਬਾਂ) ਦੇਨਿਆਂ ਹਿਆਂ” ਕਿਧਾ ਦੀ ਅਰਥ-ਰਚਨਾ ਏ :

- (1) ਨਿਸ਼ਚਯਾਰੀ
- (2) ਸਾਂਦਿਗੀਅਈ
- (3) ਸੰਮਾਵਾਵੀ
- (4) ਵਿਧਿ ਅਈ

1[Option ID=11765]

2[Option ID=11766]

3[Option ID=11767]

4[Option ID=11768]

Sl. No.143  
QBID:331093

ਖ' ਲਾ ਦਿਤੇ ਦੇ ਪੈਹ੍ਰੇ ਗੀ ਪਾਫਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਗੋਂ ਦਿਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ਵੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨੋ :

ਸਾਧਾਰਣ ਕਿਧਾਏ ਦੀ ਰੂਪ-ਰਚਨਾ ਚ ਅਰਥ ਸੰਬੰਧੀ ਰੂਪਾਂਤਰ ਛੋਂ ਰੂਪੇਂ ਚ ਲਭਦਾ ਏ। ਏਹ ਛੇ ਰੂਪ ਨ: ਨਿਸ਼ਚਯਾਰੀ, ਸੰਮਾਵਾਵੀ, ਸਾਂਦਿਗੀਅਈ, ਸੰਕੇਤਾਈ, ਆਜ਼ਾਈ ਤੇ ਵਿਧਿ ਅਈ। ਨਿਸ਼ਚਿ ਅਰਥ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੈਨੈ ਕਾਲੋਂ ਚ ਅੰਦਾ ਏ, ਸੰਮਾਵ ਅਰਥ ਬੀ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੈਨੈ ਕਾਲੋਂ ਚ ਬਰਤੋਂਦਾ ਏ ਤੇ ਸਾਂਦਿਗ ਅਰਥ ਬੀ। ਪਰ ਸੰਕੇਤਾਈ ਭੂਤ ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਚ ਅੰਦਾ ਏ ਭਵਿਕਖ ਚ ਨੇਈ। ਇਸੈ ਚਾਲਲੀ ਆਜ਼ਾਈ ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਕਾਲੋਂ ਚ ਹੋਂਦਾ ਏ, ਭੂਤਕਾਲ ਚ ਨੇਈ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਦੀ ਰਚਨਾ ਚ ਕਿਧਾ ਦੇ ਸੰਜਾਈ ਰੂਪ ਜਾਨਾ, ਦੇਨਾ, ਪਢਨਾ ਬਗੈਰਾ ਕਨੈ ਸਾਂਧੋਗਮੂਲਕ ਕਿਧਾ ਬਰਤੋਂਦੀ ਏ। ਭੂਤਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਹਾ' ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਏ' ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਹੋਂਦਾ ਏ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਚ ਸਕਰਮਕ ਕਿਧਾਏ ਲੇਈ ਕਿਧਾ ਦੀ ਰੂਪ ਰਚਨਾ ਚ ਕਰਮ ਦੇ ਲਿੰਗ, ਵਰਚਨ ਬੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਈ ਜਦੇ ਨ।

ਇੰਦੇ ਚ ਵਰਤਮਾਨਕਾਲਕ ਸੰਮਾਵਾਵੀ ਕਿਧਾ ਏ :

- (1) ਚਲੇਓ
- (2) ਚਲੇਓ
- (3) ਚਲਦਾ ਹੋਡ
- (4) ਚਲਦਾ ਆਂ

1[Option ID=11769]

2[Option ID=11770]

3[Option ID=11771]  
4[Option ID=11772]

Sl. No.144  
QBID:331094

ਖ' ਲਾਲ ਦਿਤੇ ਦੇ ਪੈਹੂਰੇ ਗੀ ਪਛਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਮ੍ਰਗੋਂ ਦਿਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨ੍ਹੇ :

ਸਾਧਾਰਣ ਕ੍ਰਿਯਾਏਂ ਦੀ ਰੂਪ-ਰਚਨਾ ਚ ਅਰਥ ਸੰਬੰਧੀ ਰੂਪਾਂਤਰ ਛੇਂ ਰੂਪੇਂ ਚ ਲਭਦਾ ਏ। ਏਹੁਂ ਛੇ ਰੂਪ ਨ: ਨਿਸ਼ਚਿਆਰੀ, ਸੰਮਾਵਿਆਰੀ, ਸੰਦਿਗਿਆਰੀ, ਸੰਕੇਤਾਰੀ, ਆਜ਼ਾਰੀ ਤੇ ਵਿਧਿ ਅਰੀ। ਨਿਸ਼ਚਿ ਅਰਥ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੌਰੋਂ ਕਾਲੋਂ ਚ ਅੰਦਾ ਏ, ਸੰਮਾਵਿ ਅਰਥ ਬੀ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੌਰੋਂ ਕਾਲੋਂ ਚ ਬਰਤੋਂਦਾ ਏ ਤੇ ਸੰਦਿਗਿ ਅਰੀ ਬੀ। ਪਰ ਸੰਕੇਤਾਰੀ ਭੂਤ ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਚ ਅੰਦਾ ਏ ਭਵਿਕਖ ਚ ਨੇਹੀਂ। ਇਸੀ ਚਾਲਲੀ ਆਜ਼ਾਰੀ ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਕਾਲੋਂ ਚ ਹੋਂਦਾ ਏ, ਭੂਤਕਾਲ ਚ ਨੇਹੀਂ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਦੀ ਰਚਨਾ ਚ ਕ੍ਰਿਯਾ ਦੇ ਸੰਜਾਰੀ ਰੂਪ ਜਾਨਾ, ਦੇਨਾ, ਪਢਨਾ ਬਗੈਰਾ ਕਨੈ ਸੰਧੇਗਮੂਲਕ ਕ੍ਰਿਯਾ ਬਰਤੋਂਦੀ ਏ। ਭੂਤਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਹਾ' ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਏ' ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਹੋਂਦਾ ਏ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਚ ਸਕਲਮਕ ਕ੍ਰਿਯਾਏਂ ਲੇਈ ਕ੍ਰਿਯਾ ਦੀ ਰੂਪ ਰਚਨਾ ਚ ਕਰਮ ਦੇ ਲਿੰਗ, ਵਚਨ ਬੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਈ ਜਦੇ ਨ।

'ਚਲੇਆ ਹੋਡ' ਕ੍ਰਿਯਾਰੂਪ ਏ :

- (1) ਭੂਤਕਾਲਕ ਸੰਮਾਵਿਆਰੀ
- (2) ਭਵਿਕਖਕਾਲਕ ਸੰਮਾਵਿਆਰੀ
- (3) ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲਕ ਸੰਕੇਤਾਰੀ
- (4) **ਭੂਤਕਾਲਕ ਸੰਦਿਗਿਆਰੀ**

1[Option ID=11773]  
2[Option ID=11774]  
3[Option ID=11775]  
4[Option ID=11776]

Sl. No.145  
QBID:331095

ਖ' ਲਾਲ ਦਿਤੇ ਦੇ ਪੈਹੂਰੇ ਗੀ ਪਛਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਮ੍ਰਗੋਂ ਦਿਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨ੍ਹੇ :

ਸਾਧਾਰਣ ਕ੍ਰਿਯਾਏਂ ਦੀ ਰੂਪ-ਰਚਨਾ ਚ ਅਰਥ ਸੰਬੰਧੀ ਰੂਪਾਂਤਰ ਛੇਂ ਰੂਪੇਂ ਚ ਲਭਦਾ ਏ। ਏਹੁਂ ਛੇ ਰੂਪ ਨ: ਨਿਸ਼ਚਿਆਰੀ, ਸੰਮਾਵਿਆਰੀ, ਸੰਦਿਗਿਆਰੀ, ਸੰਕੇਤਾਰੀ, ਆਜ਼ਾਰੀ ਤੇ ਵਿਧਿ ਅਰੀ। ਨਿਸ਼ਚਿ ਅਰਥ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੌਰੋਂ ਕਾਲੋਂ ਚ ਅੰਦਾ ਏ, ਸੰਮਾਵਿ ਅਰਥ ਬੀ ਭੂਤ, ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਤੌਰੋਂ ਕਾਲੋਂ ਚ ਬਰਤੋਂਦਾ ਏ ਤੇ ਸੰਦਿਗਿ ਅਰੀ ਬੀ। ਪਰ ਸੰਕੇਤਾਰੀ ਭੂਤ ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਚ ਅੰਦਾ ਏ ਭਵਿਕਖ ਚ ਨੇਹੀਂ। ਇਸੀ ਚਾਲਲੀ ਆਜ਼ਾਰੀ ਵਰਤਮਾਨ ਤੇ ਭਵਿਕਖ ਕਾਲੋਂ ਚ ਹੋਂਦਾ ਏ, ਭੂਤਕਾਲ ਚ ਨੇਹੀਂ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਦੀ ਰਚਨਾ ਚ ਕ੍ਰਿਯਾ ਦੇ ਸੰਜਾਰੀ ਰੂਪ ਜਾਨਾ, ਦੇਨਾ, ਪਢਨਾ ਬਗੈਰਾ ਕਨੈ ਸੰਧੇਗਮੂਲਕ ਕ੍ਰਿਯਾ ਬਰਤੋਂਦੀ ਏ। ਭੂਤਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਹਾ' ਤੇ ਵਰਤਮਾਨ ਕਾਲ ਆਸਟੈ 'ਏ' ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਹੋਂਦਾ ਏ। ਵਿਧਿ ਅਰਥ ਚ ਸਕਲਮਕ ਕ੍ਰਿਯਾਏਂ ਲੇਈ ਕ੍ਰਿਯਾ ਦੀ ਰੂਪ ਰਚਨਾ ਚ ਕਰਮ ਦੇ ਲਿੰਗ, ਵਚਨ ਬੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਈ ਜਦੇ ਨ।

'ਇਂ'ਦੇ ਚ ਭਵਿਕਖਕਾਲਕ ਆਜ਼ਾਰੀ ਰੂਪ ਨ :

- (1) ਨਹਵੇਂਓ, ਖਾਏਂਓ
- (2) ਟੁਗੇ, ਡਰੇ
- (3) ਟੁਗੇ, ਡਰੇ
- (4) ਚਲੇਆ, ਚਲੇਅਂ

1[Option ID=11777]  
2[Option ID=11778]  
3[Option ID=11779]  
4[Option ID=11780]

Sl. No.146  
QBID:331096

ਖ'ਲਾ ਦਿੱਤੇ ਦੇ ਪੈਹੂਰੇ ਗੀ ਪਛਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਮਗੋਂ ਦਿੱਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ਹੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨ੍ਹੇ :

ਡੋਗਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਚ ਗਦਾ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਦੀ ਬਡੀ ਮਹੀਨੀ ਬਾਨੀ ਮਿਲਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਚ ਰੇਖਾਚਿਤਰ, ਯਾਤਰਾਲੇਖ, ਸੰਸਾਰਣ ਆਦਿ ਗਦਾ ਵਿਧਾਏਂ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਆਤਮਕਥਾ ਤੇ ਜੀਵਨੀ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਵੀ ਉਪਲਬਧ ਹੈ। ਗਦਾ ਦਿੱਤੇ ਇੰਨੋਂ ਦੀਨੋਂ ਵਿਧਾਏਂ ਚ ਮਾਤਰਾ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਨੌਨੀ ਬਸ਼ਕਕ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਘਟ੍ਹ ਹੈ। ਪਰ ਗੁਣਵਤਾ ਵੀ ਨਜ਼ਰੀ ਕਨੌਨੀ ਸਾਂਦੋਖ ਜਨਕ ਹੈ। ਲਲਿਤ ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਦੀ ਕੋਈ ਸੀਮਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੀਵਨ ਧਰਾਤਲ ਦੇ ਫਰਾਂ ਕੋਤਾ ਲੇਖਾਂ ਵੀ ਅੰਦਰ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਇਸਦੇ ਸੀਮਿਤ ਆਕਾਰ ਚ ਸਮਾਏ ਦੇ ਬਾਂਦੇ ਹੋਂਦੇ ਹਨ। ਵਿਝੋਂ ਦੀ ਵਿਵਿਧਤਾ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਦੀ ਟਕੋਹਦ ਕਾਰਣ ਇੰਨੋਂ ਵਿਰਾਸਤਾਤਮਕ, ਵਿਕਾਰਾਤਮਕ, ਵਿਚਾਰਾਤਮਕ, ਵਿਗਨਾਤਮਕ, ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ, ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਦਿ ਵਿਝੋਂ ਤੇ ਸਮਾਸਾਤਮਕ, ਵਿਖਾਣਾਤਮਕ, ਤਾਂਗ ਆਦਿ ਸ਼ੈਲੀ ਭੇਂਦੇ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੈਂਡੀ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਦਾ ਅਧਿਧਨ ਕਰਨੇ ਆਸਤੈ ਇਸਗੀ ਤ੍ਰਿਕੁਂਕ ਕਿਸੋਂ ਦੇ ਤਤਕਾਲ ਰੂਪੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਏਹ ਤਤਕਾਲ ਅੰਗ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ, ਵਿਕਿਲਿਤ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਤੇ ਅਮਿਕਿਲਿਤ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਨੌਨੀ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕੀਤੇ ਗੇਂਦੇ ਹਨ। ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਨਿਬੰਧ ਵੀ ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਗ੍ਰਨਥਾਂ ਚ ਬਖਾਨੇ ਗੇਂਦੀ ਫਿਲਾਸਫੀ ਦੀ ਬਨਿਸ਼ਵਤ ਮਤੇ ਸਰਲ ਤੇ ਸੰਜੀਵ ਨ। ਪ੍ਰੋ. ਲਕਸ਼ਮੀ ਨਾਰਾਯਣ ਹੁੰਦਾ ਮਤਾ ਸਾਰਾ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਵਿਖੇ ਦੇ ਸੁਰੋਂ ਚ ਲਖਾਏ ਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਿਸੋਂ ਦੇ ਨਿਬੰਧਾਂ ਦਾ ਵਾਰਧ ਵਿਝੋਂ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਗੈਂਡੀ ਵਿਝੋਂ ਆਮ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਕਥਾ ਨਖੋਡਾਵੀ ਹੈ। ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਭੇਂਦੇ ਦਾ ਵਰਣਨ ਕਰਦੇ ਹੋਈ ਵਿਰਾਸਤਾਤਮਕ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਅਧਿਨਿਯੇਂ ਕਿਸ਼ ਖਾਸ ਖੂਬਿਆਂ ਵੀ ਬਦੇਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਿਸੋਂ ਦੇ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਚ ਕੁਦਰਤੀ ਨਜ਼ਾਰੇ, ਮਾਨਵ ਜੀਵਨ ਸਰਬਵੰਧੀ ਨੇਕਾਂ ਘਟਨਾਂ ਤੇ ਮਹਤਵਪੂਰਣ ਥਾਹੂ ਤੇ ਮੇਲੋਂ ਆਦਿ ਦਾ ਜਿਕਰ ਹੋਏ ਦਾ ਹੋਂਦਾ ਹੈ। ਕਿਸ਼-ਏਕ ਡੋਗਰੀ ਨਿਬੰਧ ਲੇਖਕੋਂ ਲਾਹੂ ਨਿਬੰਧਾਂ ਦੀ ਰਚਨਾ ਕਰਿਧੈ ਡੋਗਰੀ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਚ ਨਮੋਂ ਆਧਾਅਮ ਵੀ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤੇ ਨ। ਇੰਦੀ ਚ ਓਮ ਵਿਦਾਰੀ, ਲਲਿਤ ਮਗੋਤ੍ਰਾ, ਇਨਦਰਜੀਤ ਕੇਸਰ ਆਦਿ ਲੇਖਕੋਂ ਦਾ ਖਾਸ ਯੋਗਦਾਨ ਹੈ।

ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਵਿਝੋਂ ਪਰ ਅਧਿਅਤ ਨਿਬੰਧ ਨ :

- (1) ਧਰਮ ਤੇ ਅਂਕਲ ਸਾਂਸਕ੍ਰਤਿਕ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮੋਂ
- (2) ਜੀਵਨ ਕੇਹੂ ਹੈ? ਤੇ ਅਂਕਲ ਸਾਂਸਕ੍ਰਤਿਕ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮੋਂ
- (3) ਧਰਮ ਤੇ ਸਾਹਿਤ ਤੇ ਜੀਵਨ ਦੇ ਤ੍ਰੈ ਤੁਫ਼ਾਨ
- (4) ਧਰਮ ਤੇ ਸਾਹਿਤ ਤੇ ਜੀਵਨ ਦੇ ਤ੍ਰੈ ਤੁਫ਼ਾਨ

1[Option ID=11781]  
2[Option ID=11782]  
3[Option ID=11783]  
4[Option ID=11784]

Sl. No.147  
QBID:331097

ਖ'ਲਾ ਦਿੱਤੇ ਦੇ ਪੈਹੂਰੇ ਗੀ ਪਛਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਮਗੋਂ ਦਿੱਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ਹੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨ੍ਹੇ :

ਡੋਗਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਚ ਗਦਾ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਦੀ ਬਡੀ ਮਹੀਨੀ ਬਾਨੀ ਮਿਲਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਚ ਰੇਖਾਚਿਤਰ, ਯਾਤਰਾਲੇਖ, ਸੰਸਾਰਣ ਆਦਿ ਗਦਾ ਵਿਧਾਏਂ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਆਤਮਕਥਾ ਤੇ ਜੀਵਨੀ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਵੀ ਉਪਲਬਧ ਹੈ। ਗਦਾ ਦਿੱਤੇ ਇੰਨੋਂ ਦੀਨੋਂ ਵਿਧਾਏਂ ਚ ਮਾਤਰਾ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਨੌਨੀ ਬਸ਼ਕਕ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਘਟ੍ਹ ਹੈ। ਪਰ ਗੁਣਵਤਾ ਵੀ ਨਜ਼ਰੀ ਕਨੌਨੀ ਸਾਂਦੋਖ ਜਨਕ ਹੈ। ਲਲਿਤ ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਦੀ ਕੋਈ ਸੀਮਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੀਵਨ ਧਰਾਤਲ ਦੇ ਫਰਾਂ ਕੋਤਾ ਲੇਖਾਂ ਵੀ ਅੰਦਰ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਇਸਦੇ ਸੀਮਿਤ ਆਕਾਰ ਚ ਸਮਾਏ ਦੇ ਬਾਂਦੇ ਹੋਂਦੇ ਹਨ। ਵਿਝੋਂ ਦੀ ਵਿਵਿਧਤਾ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਦੀ ਟਕੋਹਦ ਕਾਰਣ ਇੰਨੋਂ ਵਿਰਾਸਤਾਤਮਕ, ਵਿਕਾਰਾਤਮਕ, ਵਿਚਾਰਾਤਮਕ, ਵਿਗਨਾਤਮਕ, ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ, ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਦਿ ਵਿਝੋਂ ਤੇ ਸਮਾਸਾਤਮਕ, ਵਿਖਾਣਾਤਮਕ, ਤਾਂਗ ਆਦਿ ਸ਼ੈਲੀ ਭੇਂਦੇ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੈਂਡੀ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਦਾ ਅਧਿਧਨ ਕਰਨੇ ਆਸਤੈ ਇਸਗੀ ਤ੍ਰਿਕੁਂਕ ਕਿਸੋਂ ਦੇ ਤਤਕਾਲ ਰੂਪੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਏਹ ਤਤਕਾਲ ਅੰਗ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ, ਵਿਕਿਲਿਤ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਤੇ ਅਮਿਕਿਲਿਤ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਨੌਨੀ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕੀਤੇ ਗੇਂਦੇ ਹਨ। ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਨਿਬੰਧ ਵੀ ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਗ੍ਰਨਥਾਂ ਚ ਬਖਾਨੇ ਗੇਂਦੀ ਫਿਲਾਸਫੀ ਦੀ ਬਨਿਸ਼ਵਤ ਮਤੇ ਸਰਲ ਤੇ ਸੰਜੀਵ ਨ। ਪ੍ਰੋ. ਲਕਸ਼ਮੀ ਨਾਰਾਯਣ ਹੁੰਦਾ ਮਤਾ ਸਾਰਾ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਵਿਖੇ ਦੇ ਸੁਰੋਂ ਚ ਲਖਾਏ ਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਿਸੋਂ ਦੇ ਨਿਬੰਧਾਂ ਦਾ ਵਾਰਧ ਵਿਝੋਂ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਗੈਂਡੀ ਵਿਝੋਂ ਆਮ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਕਥਾ ਨਖੋਡਾਵੀ ਹੈ। ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਭੇਂਦੇ ਦਾ ਵਰਣਨ ਕਰਦੇ ਹੋਈ ਵਿਰਾਸਤਾਤਮਕ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਅਧਿਨਿਯੇਂ ਕਿਸ਼ ਖਾਸ ਖੂਬਿਆਂ ਵੀ ਬਦੇਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਿਸੋਂ ਦੇ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਚ ਕੁਦਰਤੀ ਨਜ਼ਾਰੇ, ਮਾਨਵ ਜੀਵਨ ਸਰਬਵੰਧੀ ਨੇਕਾਂ ਘਟਨਾਂ ਤੇ ਮਹਤਵਪੂਰਣ ਥਾਹੂ ਤੇ ਮੇਲੋਂ ਆਦਿ ਦਾ ਜਿਕਰ ਹੋਏ ਦਾ ਹੋਂਦਾ ਹੈ। ਕਿਸ਼-ਏਕ ਡੋਗਰੀ ਨਿਬੰਧ ਲੇਖਕੋਂ ਲਾਹੂ ਨਿਬੰਧਾਂ ਦੀ ਰਚਨਾ ਕਰਿਧੈ ਡੋਗਰੀ ਸਾਹਿਤਿਆਂ ਚ ਨਮੋਂ ਆਧਾਅਮ ਵੀ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤੇ ਨ। ਇੰਦੀ ਚ ਓਮ ਵਿਦਾਰੀ, ਲਲਿਤ ਮਗੋਤ੍ਰਾ, ਇਨਦਰਜੀਤ ਕੇਸਰ ਆਦਿ ਲੇਖਕੋਂ ਦਾ ਖਾਸ ਯੋਗਦਾਨ ਹੈ।

ਵਿਕਿਲਿਤ ਦੇ ਅਧਾਰ ਪਰ ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਤਤਕਾਲ ਨ :

- (1) ਵਿਕਿਲਿਤ ਦੇ ਅਧਾਰ ਪਰ ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਤਤਕਾਲ ਨ :
- (2) ਭਾਸ਼ਾ-ਸ਼ੈਲੀ, ਅਲੰਕਾਰ, ਧਰਮਾਤਮਕਤਾ ਤੇ ਔਚਿਤਿਆਂ
- (3) ਭਾਵ, ਬੁਦਿ ਤੇ ਸੌਂਦਰ੍ਯ
- (4) ਭਾਵ, ਬੁਦਿ ਤੇ ਔਚਿਤਿਆਂ

1[Option ID=11785]  
2[Option ID=11786]  
3[Option ID=11787]  
4[Option ID=11788]

Sl. No.148  
QBID:331098

ਖ'ਲਦਿਤੇ ਦੇ ਪੈਹੇਰੇ ਗੀ ਪਛਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਮ੍ਰਗੋਂ ਦਿਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ਵੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨ੍ਹੇ :

ਡੋਗਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਚ ਗਦਾ ਸਾਹਿਤਿਵ ਦੀ ਬਡੀ ਮਤੀ ਬਾਨਗੀ ਮਿਲਦੀ ਏ। ਇਸ ਚ ਰੇਖਾਚਿਤਰ, ਯਾਤਰਾਲੇਖ, ਸੱਸ਼ਰਣ ਆਦਿ ਗਦਾ ਵਿਧਾਏਂ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਆਤਮਕਥਾ ਤੇ ਜੀਵਨੀ ਸਾਹਿਤਿਵ ਬੀ ਉਪਲਬਧ ਏ। ਗਦਾ ਦਿੱਤੇ ਇੰਨੋਂ ਦੀਨੋਂ ਵਿਧਾਏਂ ਚ ਮਾਤ੍ਰਾ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਨੈ ਬਸ਼ਕਕ ਸਾਹਿਤਿਵ ਘਢ੍ਹ ਏ। ਪਰ ਗੁਣਵਤਾ ਦੀ ਨਜ਼ਰੀ ਕਨੈ ਸੰਦੋਖ ਜਨਕ ਏ। ਲਲਿਤ ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਦੀ ਕੋਈ ਸੀਮਾ ਨੇਹੀਂ ਏ। ਜੀਵਨ ਧਰਾਤਲ ਦੇ ਫੱਝੀ ਕੋਲਾ ਲੇਝੈ ਅੰਗ ਤਗਰ ਦੇ ਵਿਝੇ ਇਸਦੇ ਸੀਮਿਤ ਆਕਾਰ ਚ ਸਮਾਏ ਦੇ ਬਾਂਦੀ ਹੋਂਦੇ ਨਾ। ਵਿਝੋਂ ਦੀ ਵਿਵਿਧਤਾ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਦੀ ਟਕੋਹਦ ਕਾਰਣ ਇੰਨੋਂ ਵਿਵਾਨਾਤਮਕ, ਵਿਵਰਣਾਤਮਕ, ਵਿਚਾਰਾਤਮਕ, ਵਿਗਾਨਾਤਮਕ, ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ, ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਦਿ ਵਿਝੋਂ ਤੇ ਸਮਾਸਾਤਮਕ, ਵਿਖਾਣਾਤਮਕ, ਤਰੰਗ ਆਦਿ ਸ਼ੈਲੀ ਭੇਂਦੇ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਏ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੈਂਡੀ ਨੇਹੀਂ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਦਾ ਅਧਿਧਨ ਕਰਨੇ ਆਸਟੈ ਇਸਗੀ ਤ੍ਰਿੰਕੇ ਕਿਸੌਂ ਦੇ ਤਤਵ ਮੇਦ ਰੂਪੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਏ। ਏਹ ਤਤਵ ਅੰਗ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ, ਵਿਕਿਤਵ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਤੇ ਅਮਿਕਿਤੀ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਨੈ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕੀਤੇ ਗੇਂਦੇ ਨਾ। ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਨਿਬੰਧ ਬੀ ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਗ੍ਰਨਥੋਂ ਚ ਬਖਾਨੇ ਗੇਂਦੀ ਫਿਲਾਸਫੀ ਦੀ ਬਨਿਸ਼ਵਤ ਮਰੇ ਸਰਲ ਤੇ ਸਜੀਵ ਨ। ਪ੍ਰੋ. ਲਕਸ਼ਮੀ ਨਾਰਾਯਣ ਹੁੰਦਾ ਮਤਾ ਸਾਰਾ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਵਿੱਗ ਦੇ ਸੁਰੋਂ ਚ ਲਖਾਏ ਦਾ ਏ। ਇਸ ਕਿਸੌਂ ਦੇ ਨਿਬੰਧੋਂ ਦਾ ਵਾਰਧੀ ਵਿਝੇ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਗੈਂਡੀ ਇੰਨੋਂ ਆਮ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਕਥਾ ਨਖੇਡੀ ਏ। ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਭੇਂਦੇ ਦਾ ਵਾਰਨ ਕਾਦੇ ਹੋਈ ਵਿਵਾਨਾਤਮਕ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਅਪਨਿਧੋਂ ਕਿਸ਼ ਖਾਸ ਖੂਬਿਹੋਂ ਗੀ ਬੰਦਰੰਦਾ ਏ। ਇਸ ਕਿਸੌਂ ਦੇ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਚ ਕੁਦਰਤੀ ਨਜ਼ਾਰੇ, ਮਾਨਵ ਜੀਵਨ ਸਰਬਵਧੀ ਨੇਕਾਂ ਘਟਨਾਂ ਤੇ ਮਹਤਵਪੂਰਣ ਥਾਹਾਂ ਤੇ ਮੇਲੋਂ ਆਦਿ ਦਾ ਜਿਕਰ ਹੋਏ ਦਾ ਹੋਂਦਾ ਏ। ਕਿਸ਼-ਏਕ ਡੋਗਰੀ ਨਿਬੰਧ ਲੇਖਕੋਂ ਲਾਹੁ ਨਿਬੰਧੋਂ ਦੀ ਰਚਨਾ ਕਾਰਿਯੈ ਡੋਗਰੀ ਸਾਹਿਤਿਵ ਚ ਨਮੋਂ ਆਧਾਮ ਬੀ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤੇ ਨਾ। ਇੰਦੇ ਚ ਓਮ ਵਿਦਾਰੀ, ਲਲਿਤ ਮਗੋਤ੍ਰਾ, ਇਨਦਰਜੀਤ ਕੇਸਰ ਆਦਿ ਲੇਖਕੋਂ ਦਾ ਖਾਸ ਯੋਗਦਾਨ ਏ।

ਭਾਵ, ਬੁਦਿ ਤੇ ਔਚਿਤਿ

(1) ਇੰਦੇ ਚਾ ਵਿਵਾਨਾਤਮਕ ਨਿਬੰਧ ਨ :

- (2) ਕੁਦਰਤ ਕਨੈ-ਕਨੈ, ਸਮਾਜ ਸੇਵਕ ਤੇ ਓਹ ਇਕ ਸਫਰ
- (3) ਕੁਦਰਤ ਕਨੈ-ਕਨੈ, ਮੈਡ ਜਾਂ ਡਰ ਤੇ ਓਹ ਇਕ ਸਫਰ
- (4) ਓਹ ਇਕ ਸਫਰ, ਖਿਨੋਂ ਦਾ ਹਾਸਾ : ਬਾਂਦੀ ਦਾ ਰੋਨਾ ਤੇ ਕੁਦਰਤ ਕਨੈ-ਕਨੈ

1[Option ID=11789]

2[Option ID=11790]

3[Option ID=11791]

4[Option ID=11792]

Sl. No.149

QBID:331099

ਖ'ਲਦਿਤੇ ਦੇ ਪੈਹੇਰੇ ਗੀ ਪਛਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਮ੍ਰਗੋਂ ਦਿਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ਵੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨ੍ਹੇ :

ਡੋਗਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਚ ਗਦਾ ਸਾਹਿਤਿਵ ਦੀ ਬਡੀ ਮਤੀ ਬਾਨਗੀ ਮਿਲਦੀ ਏ। ਇਸ ਚ ਰੇਖਾਚਿਤਰ, ਯਾਤਰਾਲੇਖ, ਸੱਸ਼ਰਣ ਆਦਿ ਗਦਾ ਵਿਧਾਏਂ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਆਤਮਕਥਾ ਤੇ ਜੀਵਨੀ ਸਾਹਿਤਿਵ ਬੀ ਉਪਲਬਧ ਏ। ਗਦਾ ਦਿੱਤੇ ਇੰਨੋਂ ਦੀਨੋਂ ਵਿਧਾਏਂ ਚ ਮਾਤ੍ਰਾ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਨੈ ਬਸ਼ਕਕ ਸਾਹਿਤਿਵ ਘਢ੍ਹ ਏ। ਪਰ ਗੁਣਵਤਾ ਦੀ ਨਜ਼ਰੀ ਕਨੈ ਸੰਦੋਖ ਜਨਕ ਏ। ਲਲਿਤ ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਦੀ ਕੋਈ ਸੀਮਾ ਨੇਹੀਂ ਏ। ਜੀਵਨ ਧਰਾਤਲ ਦੇ ਫੱਝੀ ਕੋਲਾ ਲੇਝੈ ਅੰਗ ਤਗਰ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਇਸਦੇ ਸੀਮਿਤ ਆਕਾਰ ਚ ਸਮਾਏ ਦੇ ਬਾਂਦੀ ਹੋਂਦੇ ਨਾ। ਵਿਝੋਂ ਦੀ ਵਿਵਿਧਤਾ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਦੀ ਟਕੋਹਦ ਕਾਰਣ ਇੰਨੋਂ ਵਿਵਾਨਾਤਮਕ, ਵਿਵਰਣਾਤਮਕ, ਵਿਚਾਰਾਤਮਕ, ਵਿਗਾਨਾਤਮਕ, ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ, ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਦਿ ਵਿਝੋਂ ਤੇ ਸਮਾਸਾਤਮਕ, ਵਿਖਾਣਾਤਮਕ, ਤਰੰਗ ਆਦਿ ਸ਼ੈਲੀ ਭੇਂਦੇ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਏ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੈਂਡੀ ਨੇਹੀਂ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਦਾ ਅਧਿਧਨ ਕਰਨੇ ਆਸਟੈ ਇਸਗੀ ਤ੍ਰਿੰਕੇ ਕਿਸੌਂ ਦੇ ਤਤਵ ਮੇਦ ਰੂਪੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਏ। ਏਹ ਤਤਵ ਅੰਗ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ, ਵਿਕਿਤਵ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਤੇ ਅਮਿਕਿਤੀ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਨੈ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕੀਤੇ ਗੇਂਦੇ ਨਾ। ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਨਿਬੰਧ ਬੀ ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਗ੍ਰਨਥੋਂ ਚ ਬਖਾਨੇ ਗੇਂਦੀ ਫਿਲਾਸਫੀ ਦੀ ਬਨਿਸ਼ਵਤ ਮਰੇ ਸਰਲ ਤੇ ਸਜੀਵ ਨ। ਪ੍ਰੋ. ਲਕਸ਼ਮੀ ਨਾਰਾਯਣ ਹੁੰਦਾ ਮਤਾ ਸਾਰਾ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਵਿੱਗ ਦੇ ਸੁਰੋਂ ਚ ਲਖਾਏ ਦਾ ਏ। ਇਸ ਕਿਸੌਂ ਦੇ ਨਿਬੰਧੋਂ ਦਾ ਵਾਰਧੀ ਵਿਝੇ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਗੈਂਡੀ ਇੰਨੋਂ ਆਮ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਕਥਾ ਨਖੇਡੀ ਏ। ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਭੇਂਦੇ ਦਾ ਵਾਰਨ ਕਾਦੇ ਹੋਈ ਵਿਵਾਨਾਤਮਕ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਅਪਨਿਧੋਂ ਕਿਸ਼ ਖਾਸ ਖੂਬਿਹੋਂ ਗੀ ਬੰਦਰੰਦਾ ਏ। ਇਸ ਕਿਸੌਂ ਦੇ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਵ ਚ ਕੁਦਰਤੀ ਨਜ਼ਾਰੇ, ਮਾਨਵ ਜੀਵਨ ਸਰਬਵਧੀ ਨੇਕਾਂ ਘਟਨਾਂ ਤੇ ਮਹਤਵਪੂਰਣ ਥਾਹਾਂ ਤੇ ਮੇਲੋਂ ਆਦਿ ਦਾ ਜਿਕਰ ਹੋਏ ਦਾ ਹੋਂਦਾ ਏ। ਕਿਸ਼-ਏਕ ਡੋਗਰੀ ਨਿਬੰਧ ਲੇਖਕੋਂ ਲਾਹੁ ਨਿਬੰਧੋਂ ਦੀ ਰਚਨਾ ਕਾਰਿਯੈ ਡੋਗਰੀ ਸਾਹਿਤਿਵ ਚ ਨਮੋਂ ਆਧਾਮ ਬੀ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤੇ ਨਾ। ਇੰਦੇ ਚ ਓਮ ਵਿਦਾਰੀ, ਲਲਿਤ ਮਗੋਤ੍ਰਾ, ਇਨਦਰਜੀਤ ਕੇਸਰ ਆਦਿ ਲੇਖਕੋਂ ਦਾ ਖਾਸ ਯੋਗਦਾਨ ਏ।

ਓਹ ਇਕ ਸਫਰ, ਖਿਨੋਂ ਦਾ ਹਾਸਾ : ਬਾਂਦੀ ਦਾ ਰੋਨਾ ਤੇ ਕੁਦਰਤ ਕਨੈ-ਕਨੈ

(1) ਸੋਚ ਤਰੰਗਾਂ, ਸੋਚ ਸਿਰਜਨਾ ਤੇ ਨਿਕਕੇ-ਨਿਕਕੇ ਨਿਬੰਧ

(2) ਸੋਚ ਤਰੰਗਾਂ, ਸੋਚ ਸਿਰਜਨਾ ਤੇ ਨਿਕਕੇ-ਨਿਕਕੇ ਨਿਬੰਧ

(3) ਨਿਕਕੇ-ਨਿਕਕੇ ਨਿਬੰਧ, ਚੇਤੋਂ ਦਿਵਾਂ ਗ'ਲਿਆਂ ਤੇ ਸੋਚ ਤਰੰਗਾਂ

(4) ਨਿਕਕੇ-ਨਿਕਕੇ ਨਿਬੰਧ, ਸੋਚ ਲੈਹਰਾਂ ਤੇ ਸੋਚ ਸਿਰਜਨਾ

1[Option ID=11793]

2[Option ID=11794]

3[Option ID=11795]

4[Option ID=11796]

Sl. No.150

QBID:331100

ਖ'ਲਲ ਦਿੱਤੇ ਦੇ ਪੈਹੂਰੇ ਗੀ ਪਛਿਥੈ ਉਸਦੇ ਅਮਗੋਂ ਦਿੱਤੇ ਦੇ ਸੁਆਲੋਂ ਦੇ ਸ਼ਹੇਈ ਜਵਾਬ ਆਹਲੇ ਵਿਕਲਪ ਗੀ ਚੁਨ੍ਹੇ :

ਡੋਗਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਚ ਗਦਾ ਸਾਹਿਤਿਯ ਦੀ ਬਡੀ ਮਤੀ ਬਾਨਗੀ ਮਿਲਦੀ ਏ। ਇਸ ਚ ਰੇਖਾਚਿਤਰ, ਧਾਤਾਲੇਖ, ਸੰਸਾਰਣ ਆਦਿ ਗਦਾ ਵਿਧਾਏਂ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਆਤਮਕਥਾ ਤੇ ਜੀਵਨੀ ਸਾਹਿਤਿਯ ਵੀ ਉਪਲਬਧ ਏ। ਗਦਾ ਦਿੱਤੇ ਇੰਨੋਂ ਦੀਨੋਂ ਵਿਧਾਏਂ ਚ ਮਾਤ੍ਰਾ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸਟੀ ਕਨੌ ਬਸ਼ਕਕ ਸਾਹਿਤਿਯ ਘੜ੍ਹ ਏ। ਪਰ ਗੁਣਵਜ਼ਾ ਵੀ ਨਜ਼ਰੀ ਕਨੈ ਸਾਂਦੋਖ ਜਨਕ ਏ। ਲਲਿਤ ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਸੀਮਾ ਨੇਹੀਂ ਏ। ਜੀਵਨ ਧਰਾਤਲ ਦੇ ਫਰਣੀ ਕੋਲਾ ਲੇਖਾਂ ਵੀ ਅੰਗ ਤਗਰ ਦੇ ਵਿਝੋਂ ਇਸਦੇ ਸੀਮਿਤ ਆਕਾਰ ਚ ਸਮਾਏ ਦੇ ਬਾਂਦੇ ਹੋਂਦੇ ਨਾ। ਵਿਝੋਂ ਵੀ ਵਿਵਿਧਤਾ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਵੀ ਟਕੋਹਦ ਕਾਰਣ ਇੰਨੋਂ ਵੀ ਵਰਣਨਾਤਮਕ, ਵਿਵਰਣਾਤਮਕ, ਵਿਚਾਰਾਤਮਕ, ਵਿਗਾਤਮਕ, ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ, ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਦਿ ਵਿਝੋਂ ਤੇ ਸਮਾਸਾਤਮਕ, ਵਿਖਾਣਾਤਮਕ, ਤਰੰਗ ਆਦਿ ਸ਼ੈਲੀ ਭੇਂਦੇ ਦੇ ਵਰ੍ਗੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਏ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੈਂਡੇ ਨੇਹੀਂ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਯ ਦਾ ਅਧਿਧਿਨ ਕਰਨੇ ਆਸਤੈ ਇਸਗੀ ਤ੍ਰਿੰਕੇ ਕਿਸੇ ਦੇ ਤਤਵ ਮੇਦ ਰੂਪੋਂ ਚ ਵਾਰਗੀਕ੃ਤ ਕੀਤਾ ਜਾਈ ਸਕਦਾ ਏ। ਏਹ ਤਤਵ ਅੰਗ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸਟੀ, ਵਿਕਿਤਵ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸਟੀ ਤੇ ਅਮਿਕਿਤੀ ਦੀ ਟ੍ਰਿਸਟੀ ਕਨੌ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕੀਤੇ ਗੇਂਦੇ ਨਾ। ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਨਿਬੰਧ ਵੀ ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ ਗ੍ਰਨਥੋਂ ਚ ਬਖਾਨੇ ਗੇਂਦੀ ਫਿਲਾਸਫੀ ਦੀ ਬਨਿਸ਼ਵਤ ਮਰੇ ਸਰਲ ਤੇ ਸਜੀਵ ਨ। ਪ੍ਰੋ. ਲਕਸ਼ਮੀ ਨਾਰਾਯਣ ਹੁੰਦਾ ਮਤਾ ਸਾਰਾ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਯ ਵਿੱਗ ਦੇ ਸੁਰੋਂ ਚ ਲਖਾਏ ਦਾ ਏ। ਇਸ ਕਿਸੇ ਦੇ ਨਿਬੰਧੋਂ ਵਾ ਵਾਰਧੀ ਵਿਝੋਂ ਤੇ ਸ਼ੈਲੀ ਗੈਂਡੀ ਵੀ ਇੰਨੋਂ ਆਮ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਯ ਕਥਾ ਨਥੇਡੀ ਏ। ਨਿਬੰਧ ਦੇ ਭੇਂਦੇ ਦਾ ਵਰਣਨ ਕਾਦੇ ਹੋਈ ਵਰਣਨਾਤਮਕ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਯ ਅਧਿਨਿਯੋਂ ਕਿਥਾ ਖਾਸ ਖੂਬਿਯੋਂ ਗੀ ਬੰਦਰਦਾ ਏ। ਇਸ ਕਿਸੇ ਦੇ ਨਿਬੰਧ ਸਾਹਿਤਿਯ ਚ ਕੁਦਰਤੀ ਨਜ਼ਾਰੇ, ਮਾਨਵ ਜੀਵਨ ਸਰਬਵਧੀ ਨੇਕਾਂ ਘਟਨਾਂ ਤੇ ਮਹਤਵਪੂਰਣ ਥਾਹਾਰ ਤੇ ਮੇਲੋਂ ਆਦਿ ਦਾ ਜਿਕਰ ਹੋਏ ਦਾ ਹੋਂਦਾ ਏ। ਕਿਥਾ-ਏਕ ਡੋਗਰੀ ਨਿਬੰਧ ਲੋਖੋਂ ਲਾਹੁ ਨਿਬੰਧੋਂ ਵੀ ਰਚਨਾ ਕਰਿਥੈ ਡੋਗਰੀ ਸਾਹਿਤਿਯ ਚ ਨਮੋਂ ਆਧਾਅ ਵੀ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤੇ ਨ। ਇੰਦੇ ਚ ਓਮ ਵਿਦਾਰੀ, ਲਲਿਤ ਮਗੋਤ੍ਰਾ, ਇਨਦਰਜੀਤ ਕੇਸਰ ਆਦਿ ਲੋਖੋਂ ਦਾ ਖਾਸ ਧੋਗਦਾਨ ਏ।

ਇੰਦੇ ਚਾ ਵਿਗਾਤਮਕ ਨਿਬੰਧ ਨ :

- (1) ਇੰਦੇ ਚਾ ਵਿਗਾਤਮਕ ਨਿਬੰਧ ਨ :
- (2) ਕਥਾ ਕਰਨਾ, ਧਨਵਾਦ, ਮਸ਼ਕਰੀ ਤੇ ਬੈਂਦੂਮ
- (3) ਧਰਮ, ਕਥਾ ਕਰਨਾ, ਧਨਵਾਦ ਤੇ ਰਚਨਾ ਪੁਰਾਣ
- (4) ਰਚਨਾ ਪੁਰਾਣ, ਮਸ਼ਕਰੀ ਤੇ ਧਰਮ

1[Option ID=11797]

2[Option ID=11798]

3[Option ID=11799]

4[Option ID=11800]